दैनिक

पुष्पांजली टुडे

नई सोच, नई पहल

ग्वालियर वर्ष: 03 अंक: 117 | ग्वालियर, गुरुवार, 30 अप्रैल 2020 | पृष्ठ: 08 - मूल्य 2 रु.

बॉलीवुड एक्टर इरफान खान का

53 साल की उम्र में मुंबई के अस्पताल में निधन

नई दिल्ली। एक्टर इरफान खान का मुंबई के एक अस्पताल में बुधवार को निधन हो गया। वह 53 साल के थे और लंबे समय से एक दुलर्भ किस्म के कैंसर से जंग लड़ रहे थे। इरफान को 2018 में न्यूरोएंडोक्राइन ट्यूमर हुआ था। उनके परिवार में पत्नी सुतापा और दो बेटे बाबिल और अयान हैं। परिवार को एक सप्ताह में लगा यह दूसरा झटका है। मकबूल अभिनेता की 95 वर्षीय मां सईदा बेगम का चार दिन पहले ही जयपुर में इंतकाल हुआ था। अभिनेता कोरोना वायरस से निपटने के लिए लगाए गए लॉकडाउन के कारण अपनी मां के अंतिम संस्कार में शामिल नहीं हो पाए थे।

इरफान खान ने केवल देश में ही नहीं बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी अपने अभिनय का लोहा मनवाया। खान को मलाशय संक्रमण के कारण मंगलवार को कोकिलाबेन धीरूभाई अंबानी अस्पताल में आईसीयू में भर्ती कराया गया था। उनके निधन के संबंध में जारी एक बयान में कहा गया है, यह काफी दुखद है कि आज हमें उनके निधन की खबर बतानी पड़ रही है। इरफान एक मजबूत इंसान थे, जिन्होंने अंत तक लड़ाई लड़ी और अपने संपर्क में आने वाले हर शख्स को प्रेरित किया। 2018 में एक दुर्लभ किस्म का कैंसर होने के बाद उन्होंने उससे लड़ाई लड़ी और जीवन के हर मोर्चे पर उन्होंने संघर्ष किया। बयान के अनुसार, अपने प्रियजनों, अपने परिवार के बीच उन्होंने अंतिम सांस ली और अपने पीछे एक महान विरासत छोड़ गए। हम दुआ करते हैं कि उन्हें शांति मिले। और हम उनके द्वारा कहे शब्दों को दोहराएंगे कि ये इतना जादुई था, जैसे कि मैं पहली बार जिंदगी का स्वाद चख रहा था। फिल्म पीकू के निर्देशक शूजित सिरकार ने अभिनेता के निधन पर शोक जताते हुए ट्वीट किया, मेरे प्रिय मित्र इरफान। तुम लड़े, लड़े और लड़ते रहे। मुझे हमेशा तुम पर गर्व रहेगा.... हम दोबारा मिलेंगे...सुतापा और बाबिल को मेरी संवेदनाएं... तुमने भी लड़ाई लड़ी.... सुतापा तुमने इस लड़ाई में अपना सब कुछ दिया। ओम शांति। इरफान खान तुम्हें सलाम। बॉलीवुड एक्टर अमिताभ बच्चन ने ट्वीट कर लिखा कि इरफान खान के निधन की खबर मिल रही है। यह एक परेशान करने वाली और दुखद खबर है। अविश्वसनीय प्रतिभा .. महान सहयोगी .. सिनेमा की दुनिया के लिए एक शानदार योगदानकर्ता.. हमें बहुत जल्द छोड़ दिया। इससे पहले इरफान के प्रवक्ता के हवाले से कहा गया था कि हां यह सही है कि इरफान खान को कोलोन इन्फेक्शन के कारण मुंबई स्थित कोकिलाबेन (अस्पताल) के आईसीयू में भर्ती कराया गया है।

अभिनेता के निधन पर राजनीतिक दिग्गजों की भी आंखें हो गईं नम

बॉलीवुड फिल्मों से लेकर हॉलीवुड तक में अपने अभिनय का लोहा मनवाने वाला एक सितारा आज बूझ गया। एक्टर इरफान खान का आज मुंबई में 53 साल की उम्र में निधन हो गया। इरफान खान के निधन पर हर तरफ शोक की लहर है। इस बीच इरफान के निधन पर दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने शोक व्यक्त किया। दरअसल, इरफान कैंसर से पीड़ित थे और कुछ महीने पहले ही लंबे समय तक विदेश में इलाज कराके लौटे थे। आखिरी बार वो फिल्म अंग्रेजी मीडियम में नजर आए थे। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने अपने ट्विटर पर लिखा, हमारे समय के सबसे असाधारण अभिनेताओं में से एक, इरफान खान के निधन के बारे में सुनकर हैरान हूं। उनके काम को हमेशा याद रखा जाएगा और उनकी आत्मा को शांति मिले। वहीं, राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने भी ट्वीट किया, मुझे हमारे देश के सबसे बहुमुखी अभिनेता इरफान खान के निधन के बारे में सुनकर हैरानी हुई। उनके परिवार, दोस्तों और प्रशंसकों को मेरी हार्दिक संवेदना। ईश्वर उन्हें शक्ति दे। उनकी आत्मा को शांति मिले। इसके अलावा, इरफान खान के निधन पर मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने दुख व्यक्त करते हुए कहा है कि इरफान खान अभिनय शब्द की असली परिभाषा देने वाले अभिनेता थे।

अलविदा: इरफान खान के निधन पर पीएम मोदी ने दु:ख जताया, बोले- सिनेमा और रंगमंच की दुनिया के लिए बड़ी क्षति

फिल्म अभिनेता इरफान खान का 53 साल की उम्र में निधन हो गया। बॉलीवुड एक्टर इरफान खान के निधन पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शोक व्यक्त किया है। पीएम मोदी ने कहा कि इरफान खान का निधन सिनेमा और रंगमंच की दुनिया के लिए एक क्षति है। बॉलीवुड से लेकर हॉलीवुड में अपनी एक्टिंग का लोहा मनवा चुके इरफान की तबीयत अचानक खराब हो गई, जिसके बाद मंगलवार को उन्हें मुंबई के अस्पताल में भर्ती कराया गया था। इरफान कैंसर से पीड़ित थे और कुछ महीने पहले ही लंबे समय तक विदेश में इलाज कराके लौटे थे। आखिरी बार वो फिल्म अंग्रेजी मीडियम में नजर आए थे। पीएम मोदी ने ट्वीट कर कहा, इरफान खान का निधन सिनेमा और रंगमंच की दुनिया के लिए एक क्षति है। उन्हें विभिन्न माध्यमों में उनके बहुमुखी प्रदर्शन के लिए याद किया जाएगा। मेरे विचार उनके परिवार, दोस्तों और प्रशंसकों के साथ हैं। उनकी आत्मा को शांति मिले। इसके अलावा, मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने अपने ट्विटर पर लिखा, हमारे समय के सबसे असाधारण अभिनेताओं में से एक, इरफान खान के निधन के बारे में सुनकर हैरान हूं। उनके काम को हमेशा याद रखा जाएगा और उनकी आत्मा को शांति मिले। वहीं, राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने भी ट्वीट किया, मुझे हमारे देश के सबसे बहुमुखी अभिनेता इरफान खान के निधन के बारे में सुनकर हैरानी हुई। उनके परिवार, दोस्तों और प्रशंसकों को मेरी हार्दिक संवेदना। ईश्वर उन्हें शक्ति दे। उनकी आत्मा को शांति मिले। इसके अलावा, इरफान खान के निधन पर मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने दुख व्यक्त करते हुए कहा है कि इरफान खान अभिनय शब्द की असली परिभाषा देने वाले अभिनेता थे ।चौहान ने इरफान खान के निधन पर शोक जताते हुए ट्वीट किया, मृत्यु सत्य है और शरीर नश्वर, यह सत्य जानते हुए भी हर व्यक्ति के असमय निधन पर अत्यंत दु:ख होता है।

न्यूज ट्रैक

फास्ट फूड/फूड पार्सल सुविधा के माध्यम से उपलब्ध कराने वाले रेस्टॉरेंट्स को प्रारम्भ करने की अनुमति प्रदान की जाए: चेम्बर ऑफ कॉमर्स

ग्वालियर। शहर में स्थापित ऐसे रेस्टॉरेंट जिनके पास फास्ट फूड/फूड की पार्सल सुविधा उपलब्ध है, उन्हें प्रारम्भ करने की अनुमति प्रदान करने हेतु चेम्बर ऑफ कॉमर्स द्वारा जिलाधीश, ग्वालियर को पत्र प्रेषित किया गया है। चेम्बर के अध्यक्ष-विजय गोयल, संयुक्त अध्यक्ष-प्रशांत गंगवाल, उपाध्यक्ष-पारस जैन, मानसेवी सचिव-डॉ. प्रवीण अग्रवाल, मानसेवी संयुक्त सचिव-ब्रजेश गोयल एवं कोषाध्यक्ष-वसंत अग्रवाल ने प्रेस को जारी विज्ञप्ति में कहा है कि वर्तमान ग्वालियर शहर में कई लोग ऐसे हैं, जो कि लॉकडाउन के कारण अपने परिवार से दूर शहर के अंदर फंसे हुए हैं और वह पके हुए भोजन के लिए परेशान हो रहे हैं क्योंकि उन्हें खाना बनाना आता ही नहीं है अथवा भोजन बनाने हेतु साधन ही उपलब्ध नहीं हैं । साथ ही, लॉकडाउन के कारण सभी होटल एवं रेस्टॉरेंट बंद होने से उन्हें न तो फास्ट फूड उपलब्ध हो पा रहा है और न ही पका हुआ भोजन। पत्र में उल्लेख किया गया है कि ग्वालियर शहर में कोरोना की स्थिति नियंत्रण में है । वर्तमान परिस्थितियों में जो लोग अपने घर एवं परिवार से दूर शहर के अंदर फंसे हुए हैं और उन्हें भोजन बनाना नहीं आता है और न ही उनके पास भोजन पकाने के साधन उपलब्ध हैं, ऐसे सभी लोगों को रेस्टॉरेंट चालू होने से घर बैठे ही भोजन उपलब्ध हो सकेगा । साथ ही, रेस्टोरेंट व्यवसाईयों को भी इससे कुछ हद तक राहत मिल सकेगी । चेम्बर ने जिलाधीश, ग्वालियर से माँग की है कि शहर में स्थापित ऐसे रेस्टॉरेंट जो कि अपने यहाँ निर्मित भोजन को पार्सल सुविधा के माध्यम से उपभोक्ता के पर भेजने में सक्षम हैं । ऐसे सभी रेस्टॉरेंट्स को प्रारम्भ करने की अनुमति प्रदान की जाए, ताकि अपने परिवार से दूर रह रहे, ऐसे नागरिक जो कि भोजन पकाने में असमर्थ है अथवा उनके पास भोजन पकाने के साधन ही उपलब्ध नहीं है, उन्हें अवश्य ही इससे राहत मिलेगी।

अग्रिम योद्धा के रूप में श्रीमती रेखा राठौर कोरोना की जंग में दे रही हैं योगदान

ग्वालियर। कोरोना वायरस के संक्रमण को रोकने जहां विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी जंग में योगदान दे रहे हैं, वहीं स्वास्थ्य विभाग के चिकित्सक, पैरामेडीकल स्टाफ एवं लैब टेक्नीशियन भी आने वाले संदिग्ध मरीजों की कोरोना उपचार से पहले स्क्रीनिंग एवं स्वास्थ्य परीक्षण उपरांत रिकॉर्ड संधारण का कार्य कर रहे हैं। जिला चिकित्सालय मुरार में पदस्थ लैब टेक्नीशियन श्रीमती रेखा राठौर प्रथम पंक्ति में एक योद्धा के रूप में कोरोना के आने वाले संदिग्ध मरीजों की सबसे पहले जानकारी प्राप्त कर अपने परिवार की चिंता किए बिना अपना कार्य पूरी निष्ठा एवं ईमानदारी के साथ अग्रिम योद्धा के रूप में कोरोना की जंग में अपना योगदान दे रही हैं। श्रीमती राठौर ने बताया कि उनके परिवार में उनके पति एवं दो बेटियां हैं। सबसे बड़ी बेटी 10 वर्ष की है जबकि छोटी बेटी 10 माह की है। पति भिण्ड चिकित्सालय में लैब टेक्नीशियन के पद पर कार्यरत है। ऐसे में अपने कार्य के साथ परिवार की जिम्मेदारी भी बढ़ गई है। उन्होंने बताया कि जिला चिकित्सालय मुरार में एक माह के दौरान लगभग 850 मरीजों की स्क्रीनिंग एवं जांच हेतु नमूने लेकर जुकाम, खाँसी, बुखार आदि लक्षण, हिस्ट्री की जानकारी प्राप्त कर उनका रिकॉर्ड तैयार कर संधारित किया गया है। इस दौरान कोरोना से बचाव हेतु सभी सावधानियां, सुरक्षा का भी ध्यान रखना पड़ता है। कार्य के दौरान पीपीई किट, सर्जीकल दस्ताने, मास्क एवं हैडकैप पहनकर तथा सेनेटाइज्ड करने के बाद ही वे अपने कार्य को अंजाम देती हैं। उन्होंने बताया कि वे प्रतिदिन लगातार 10 घंटे अपनी ड्यूटी कर रही हैं। ड्यूटी के पश्चात घर पहुँचने पर उनकी बड़ी बेटी घर के बाहर सेनेटाइजर, साबुन एवं पानी की व्यवस्था करती हैं, जिससे परिवार के सदस्य भी कोरोना के संक्रमण से बचे रहें। श्रीमती राठौर ने बताया कि संदिग्ध मरीजों की सेम्पलिंग एवं रिकॉर्ड तैयार करते वक्त मरीजों को काउंसलिंग कर उन्हें बताया जाता है कि कोरोना से डरना नहीं है, बल्कि उससे लड़ना है एवं बचाव हेतु सावधानियां बरतना हैं। इसके लिये शासन द्वारा दिए गए निर्देशों के अनुरूप अपने घरों में रहकर लॉकडाउन का पालन करें व चेहरे को मास्क या गमछे से ढककर रखने, हाथों को हैण्डवॉश या साबुन से धोने की समझाइश दी जाती है।

ग्वालियर में बुधवार को 115 नमूनों की जांच निगेटिव आईं

ग्वालियर। नोवेल कोरोना वायरस के संक्रमण की जांच के लिये भेजे गए नमूनों में से 115 नमूनों की जांच बुधवार को निगेटिव प्राप्त हुई है। जिले में अब तक कुल 2 हजार 280 नमूने जांच हेतु भेजे गए हैं, जिनमें से 2081 नमूनों की जांच निगेटिव प्राप्त हुई है। 103 नमूनों में जांच की आवश्यकता नहीं पाई गई है। इसके साथ ही 92 नमूनों की जांच आना अभी शेष है। ग्वालियर में कुल 8 पॉजिटिव नमूनों की जांच अब तक प्राप्त हुई है। इनमें से 6 मरीजों को उपचार होने के पश्चात निगेटिव रिपोर्टें प्राप्त होने पर उन्हें अस्पताल से छुट्टी कर घर भेज दिया गया है। 2 पॉजिटिव मरीजों का उपचार सुपर स्पेशिलिटी अस्पताल में किया जा रहा है। कलेक्टर श्री कौशलेन्द्र विक्रम सिंह ने बताया कि जिले में अब तक 7 हजार 607 संदिग्ध व्यक्तियों को होम क्वारंटाइन किया गया है। होम क्वारंटाइन किए गए कुल व्यक्तियों में से 5 हजार 878 व्यक्तियों का क्वारंटाइन समय भी पूरा हो गया है। नोवेल कोरोना वायरस के संक्रमण के लिये 3 लाख 70 हजार 664 व्यक्तियों की मेडीकल स्क्रीनिंग भी की गई है। बुधवार को 121 नमूने जांच हेतु भेजे गए हैं। कलेक्टर श्री सिंह ने जिले के निवासियों से अपील की है कि नोवेल कोरोना वायरस के संक्रमण की रोकथाम के लिये लागू किए गए लॉकडाउन का पालन करें और अपने घरों में ही रहें। बिना किसी काम के शहर में भ्रमण न करें। अनावश्यक रूप से भ्रमण करते पाए जाने पर दण्डात्मक कार्रवाई की जायेगी। आम नागरिकों की आवश्यकताओं की पूर्ति प्रशासन द्वारा यथासंभव कराई जा रही है।

दिल्ली की आजादपुर सब्जी मंडी में कोरोना का खतरा बढ़ा, 11 व्यापारी हुए संक्रमित

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में स्थित आजादपुर मंडी से जुड़े 11 कारोबारियों के कोरोना वायरस से संक्रमित पाए जाने के बाद एशिया की इस सबसे बड़ी मंडी पर वैश्विक महामारी कोरोना वायरस (कोविड-19) का खतरा तेजी से बढ़ता जा रहा है। उत्तर दिल्ली जिलाधिकारी दीपक शिंदे ने बुधवार को बताया कि आजादपुर मंडी से जुड़े 11 व्यापारियों की कोरोना वायरस जांच रिपोर्ट पाजिटिव आई है। इन लोगों के संपर्क में जो लोग आए हैं उनका पता लगाने का काम शुरू कर दिया गया है। शिंदे ने बताया कि कोरोना पॉजिटिव पाए गए लोगों का मंडी से सीधा संबंध नहीं है और एहतियात के तौर पर इनके संपर्क में आए लोगों की तलाश की जा रही है। पिछले दिनों भी मंडी से जुड़े एक व्यापारी के कोरोना संक्रमित होने की रिपोर्ट थी। दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन ने बुधवार को कहा कि आजादपुर मंडी को सही तरीके से संक्रमणमुक्त किया जा रहा है। आस-पास की सभी दुकानें जहां कोरोना-19 पॉजिटिव मामले सामने आए थे, सील कर दी गई हैं। सभी एहतियाती उपाय किए जा रहे हैं। सत्येंद्र जैन ने कहा कि जो लोग स्पर्शोन्मुख हैं या उनमें कोरोना-19 के हल्के लक्षण हैं, उन्हें 14 दिनों के लिए होम क्वारंटाइन में रखा जाएगा और नए प्रोटोकॉल के अनुसार, उनके घरों में इलाज किया जाएगा। ऐसे रोगियों को अस्पताल में भर्ती करने की आवश्यकता नहीं है।केंद्र ने कहा है कि प्लाज्मा थेरेपी बहुत तकनीकी है और वर्तमान में प्रायोगिक स्तर पर है। जिनके पास इसकी अनुमति नहीं है, उन्हें इसका अभ्यास नहीं करना चाहिए। दिल्ली के पास केंद्र सरकार की अनुमति है। जिनके पास इसकी अनुमति है, केवल उन्हें ही इससे इलाज को करना चाहिए।

बैंक कर्ज मामला: प्रकाश जावड़ेकर का राहुल पर पलटवार

चिदंबरम से ट्यूशन पढ़िए, तब समझ आएगा

नई दिल्ली। देश के बैंकों ने 50 बड़े विलफुल डिफाल्टर्स का 68,607 करोड़ रुपए से अधिक का कर्ज बट्टे खाते में डाले डाने पर कांग्रेस और मोदी सरकार के बीच आरोप-प्रत्यारोप का दौरा जारी है। मोदी सरकार पर कांग्रेस नेता राहुल गांधी के हमलावर रुख पर वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के बाद अब केंद्रीय मंत्री प्रकाश जावड़ेकर ने पलटवार किया है। केंद्रीय मंत्री प्रकाश जावड़ेकर ने बुधवार को कहा कि कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी को पूर्व वित्त मंत्री पी. चिदंबरम से ट्यूशन लेना चाहिए।

समाचार एजेंसी एएनआई के मुताबिक, केंद्रीय मंत्री प्रकाश जावड़ेकर ने कहा, राहुल गांधी की इस आरोप से चकित हूं कि मोदी सरकार ने 65,000 करोड़ रुपये माफ कर दिए हैं। एक भी पैसा माफ नहीं किया गया है। कर्ज को बट्टे खाते में डालने का मतलब कर्ज माफ करना नहीं होता है। राहुल गांधी को चिदंबरम से कर्ज माफी और कर्ज को बट्टे खाते में डालने में अंतर समझने के लिए ट्यूशन लेना चाहिए। प्रकाश जावड़ेकर ने आगे कहा, कर्ज को बट्टे खाते में डालना जमाकर्ताओं को बैंक की सही तस्वीरें दिखाने की प्रक्रिया है। यह बैंकों को कार्रवाई करने और वसूली करने से नहीं रोकता है। हमने देखा है कि कैसे नीरव मोदी की संपत्ति जब्त और नीलाम की गई। विजय माल्या के पास कोई विकल्प नहीं बचा है। हाई कोर्ट ने उनकी अपील को खारिज कर दिया है। इससे पहले वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कांग्रेस और राहुल गांधी पर हमला बोला और कहा कि इस बात पर उन्हें आत्मचिंतन करने की जरूरत है कि वह अपने कार्यकाल में सिस्टम की सफाई का काम क्यों नहीं कर पाए। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि कांग्रेस ने सत्ता और विपक्ष दोनों तरफ रहते हुए भ्रष्टाचार खत्म करने की कोई प्रतिबद्धता नहीं दिखाई।

राहुल गांधी ने क्या आरोप लगाया था

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने कहा कि उन्होंने सरकार से बैंक घोटालेबाजों के नाम पूछे थे लेकिन संसद में इन कर्जदारों के नाम छिपाए गये हैं। राहुल ने ट्वीट किया संसद में मैंने एक सीधा सा प्रश्न पूछा था- मुझे देश के 50 सबसे बड़े बैंक चोरों के नाम बताइए। वित्तमंत्री ने जवाब देने से मना कर दिया। अब रिजर्व बैंक ने नीरव मोदी, मेहुल चोकसी सहित भाजपा के मित्रों के नाम बैंक चोरों की लिस्ट में डाले हैं। इसीलिए संसद में इस सच को छुपाया गया। इससे पहले कांग्रेस संचार विभाग के प्रमुख रणदीपसिंह सुरजेवाला ने मंगलवार को यहां संवाददाता सम्मेलन में कहा कि रिजर्व बैंक ने 24 अप्रैल को सूचना के अधिकार-आरटीआई के तहत जानकारी दी है कि बैंकों का कर्ज नहीं लौटाने वाले जिन 50 बड़े कर्जदारों और भगोड़ों का कर्ज माफ किया गया है उनमें विजय माल्या, नीरव मोदी, मेहुल चौकसी और जतिन मेहता जैसे बड़े घोटालेबाज शामिल हैं।

एक दिन पहले क्वारंटाइन सेंटर में पिता मिले और खिलाया खाना, अगले दिन युवक ने की आत्महत्या

पन्ना। कोरोनावायरस महामारी की रोकथाम के लिए क्वारंटाइन सेंटर और आइसोलेशन वार्ड बनाए गए हैं। मध्य प्रदेश के पन्ना जिले के एक क्वारंटाइन सेंटर में युवक ने फांससी लगाकर आत्महत्या कर ली है। आत्महत्या का कारण अज्ञात है। बताया जा रहा है कि एक दिन पहले उसके पिता मिलने के लिए क्वारंटाइन सेंटर में मिलने के लिए आए थे। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, अमानगंज थाना क्षेत्र के शासकीय महाविद्यालय में क्वारंटाइन सेंटर बनाया गया है। यहां बाहर से आ रहे लोगों को रोका गया है।

चाबी पर हाथ लगने से कार स्टार्ट होकर

180 फीट गहरे कुएं में गिरी, दोनों की मौत

जोधपुर. शहर के साथीन रोड स्थित बागडिया बेरा पर शाम 5 बजे एक अल्टो कार कुएं में गिर गई। कार में एक मासूम व बीए में पढ़ने वाला चचेरा भाई था। सूचना मिलने प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे। मौके पर मौजूद संपतराज सैनी ने बताया कि खुशालराम (17) पुत्र जगदीश माली व पृथ्वीराज (ढाई वर्ष) पुत्र महेंद्र खड़ी कार में गाने सुन रहे थे। तभी चाबी पर हाथ जाने से गाड़ी चालू हो गई। रोकने के प्रयास में अनियंत्रित होकर घर से 40 फीट दूर खुले पड़े 180 फीट गहरे पानी में गिर गई। कुएं में 15 फीट के आसपास पानी भरा था। सूचना मिलने पर नगरपालिका दमकल वाहन, दो क्रेन मंगवा कर रेस्क्यू शुरू किया गया। दो व्यक्तियों को नीचे उतारकर कार को क्रेन के तारों के सारे बांधा कर बाहर निकलने का प्रयास किया गया मगर रस्सी टूट जाने से कार को बाहर नहीं निकाला जा सका। फिर पंप लगाकर को कुएं के पानी को तोड़कर बाहर निकालने की कोशिश की गई। उसमें भी सफलता नहीं मिली। बाहर निकालने के सारे प्रयास असफल होने के पश्चात जोधपुर एसडीआरएफ टीम को सूचित किया गया।

सीबीएसई ने कहा- जरूर होंगी

10वीं 12वीं की परीक्षा, फैसले में कोई बदलाव नहीं

नई दिल्ली। सीबीएसई ने कहा है कि 10वीं और 12वीं की शेष परीक्षाओं के आयोजन को लेकर उसके फैसले में कोई बदलाव नहीं किया गया है। ये परीक्षाएं जरूर आयोजित होंगी। सीबीएसई मुख्य 29 विषयों के पेपर स्थिति सामान्य होने के बाद जरूर करवाएगी। सीबीएसई ने यह भी कहा कि परीक्षा की सूचना 10 दिन पहले दी जाएगी। लॉकडाउन खत्म होने के बाद स्थिति की समीक्षा करने के बाद ही पेपरों के आयोजन का फैसला लिया जाएगा। सीबीएसई ने बुधवार को ट्वीट कर कहा-10वीं सीबीएसई बोर्ड परीक्षाओं को लेकर कई तरह के कयास लगाए जा रहे हैं। यह फिर से दोहराया जाता है कि बोर्ड 10वीं और 12वीं कक्षा के 29 मुख्य विषयों की परीक्षा कराने के अपने फैसले पर कायम है, जिसका जिक्र उसने 1 अप्रैल 2020 को जारी सर्कुलर में भी किया था। 1 अप्रैल 2020 को जारी सर्कुलर में सीबीएसई ने कहा है कि परीक्षा के नए शेड्यूल को लेकर कोई भी फैसला हायर एजुकेशन अथॉरिटी से सलाह मशविरा करने के बाद लिया जाएगा। नई तारीखें एंट्रेंस एग्जाम व एडमिशन की डेट्स को ध्यान में रखकर तय की जाएंगी। इसी

सर्कुलर में सीबीएसई ने पहली कक्षा से 8वीं तक के सभी छात्रों को प्रमोट करने का ऐलान किया था। और साथ ही कहा था कि 9वीं और 11वीं के छात्र इंटरनल असेसमेंट, टेस्ट, प्रोजेक्ट वर्क के आधार पर पास किए जाएंगे। सीबीएसई की यह प्रतिक्रिया उन अटकलों के बाद आई हैं जो कि दिल्ली के उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया के बयान के बाद पैदा हुई थीं। दिल्ली के शिक्षा मंत्री मनीष सिसोदिया ने मंगलवार को केंद्रीय मानव संसाधन विकास (एचआरडी) मंत्री रमेश पोखरियाल निशंक से कहा था कि कोविड-19 के संक्रमण को फैलने से रोकने के लिए लागू लॉकडाउन की वजह से 10वीं और 12वीं कक्षा की लंबित बोर्ड परीक्षा को आयोजित कराना अभी व्यावहारिक नहीं है। उन्होंने केंद्रीय मानव संसाधन विकास मंत्री की अध्यक्षता में राज्यों के शिक्षा मंत्रियों की हुई बैठक में यह अनुशंसा की। सिसोदिया ने कहा था, सामाजिक दूरी की जरूरत की वजह से 10वीं और 12वीं के बाकी विषयों की बोर्ड परीक्षाएं मई या जून में भी कराना व्यावहारिक नहीं है। परीक्षा में देरी से अकादमिक सत्र भी प्रभावित होगा। अन्य राज्यों का अपना शिक्षा बोर्ड है लेकिन दिल्ली के लिए केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) है। सीबीएसई के अधिकतर छात्र दिल्ली से आते हैं। मैं मानव संसाधन विकास मंत्री से अपील करता हूं कि वह सीबीएसई को, नौवीं और 11वीं कक्षा के छात्रों के प्रमोट करने फार्मूले को अपनाने के लिए कहें। इस अनिश्चित समय में मैं नहीं जानता कि हम दोबारा परीक्षा करा पाएंगे भी या नहीं। इसलिए आतंरिक मूल्यांकन (इंटरनल असेसमेंट) और अब तक हो चुकी परीक्षा के आधार पर 10वीं और 12वीं की कक्षा के छात्रों का भी मूल्यांकन किया जाना चाहिए।

संपादकीय

चरणबद्ध रियायत

किसी भी देश-समाज को बहुत ज्यादा समय तक लॉकडाउन नहीं रखा जा सकता, इसलिए यदि सरकारें लॉकडाउन को चरणबद्ध तरीके से घटाने की सोच रही हैं, तो उनका स्वागत है। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में मुख्यमंत्रियों का ध्यान इस विषय पर गया है और उन्होंने परस्पर यथोचित चर्चा की है। कोई आश्चर्य नहीं, अगर 3 मई के बाद देश में एक साथ लॉकडाउन की बजाय क्षेत्रीय आधार पर लॉकडाउन हों और उनकी बागडोर राज्य सरकारों के हाथों में हो। अभी तक लॉकडाउन का जो अनुभव रहा है, उसके अनुसार, ज्यादातर राज्य सरकारों ने केंद्र के फैसलों का ही अनुसरण किया है। क्षेत्रीय आधार पर लॉकडाउन की रियायत को कम या ज्यादा करने का अधिकार पहले भी राज्य सरकारों के पास ही था और 3 मई के बाद उनकी जिम्मेदारी निस्संदेह बढ़ जाएगी। देश के नौ मुख्यमंत्रियों के साथ लाइव वीडियो-बैठक में प्रधानमंत्री ने स्पष्ट कर दिया कि राज्य सरकारें अपने-अपने राज्य को रेड, ऑरेंज और ग्रीन जोन में बांट लें। यह तरीका उचित भी है और इसकी चर्चा न केवल विशेषज्ञ, बल्कि कुछ राज्यों के मुख्यमंत्री भी करते रहे हैं। इस पर केंद्र सरकार का सहमत होना भविष्य के लॉकडाउन की रूपरेखा तय करेगा। विशेष रूप से भारत में आर्थिक बेचैनी बढ़ रही है। आर्थिक रूप से टूटने वाला भारत सामाजिक और सांस्कृतिक रूप से भी कमजोर पड़ जाएगा, इसलिए 40 दिन के लॉकडाउन के बाद यह जरूरी है कि लोग अपनी कमाई की और सरकारें राज्य-देश के विकास की चिंता करें। यह एक और अच्छी बात है कि प्रधानमंत्री अर्थव्यवस्था के प्रति भी सकारात्मक भाव दर्शा रहे हैं, वरना जनता को अपने सीधे संबोधनों में वह कुछ साल 'पीछे चले जाने' को लेकर चेताते रहे हैं। बेशक, प्रतिकूल परिस्थितियों में भी प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्रियों को सकारात्मक सोच बनाए रखने की जरूरत है। जो समाज एक महीने से भी ज्यादा समय से लॉकडाउन भुगत रहा है, वहां लोग यही चाहेंगे कि सरकारें उम्मीद से भरी रहें और कुशल अभिभावक की तरह अर्थव्यवस्था में फिर तेजी लौटाने के सारे प्रबंध करें। कुछ मुख्यमंत्रियों ने लॉकडाउन को जारी रखने की वकालत की है। कहना न होगा, आज सावधानी के साथ साहस की भी जरूरत है। जो सरकार दोनों के बीच तालमेल बिठा सकेगी, वह न केवल अपनी जनता को सुरक्षित रखने में कामयाब होगी, बल्कि अपनी अर्थव्यवस्था को भी मजबूती दे सकेगी। केंद्र सरकार चाहती है कि कोरोना के जो हॉट स्पॉट्स हैं, वहां राज्य सरकारें सख्ती से लॉकडाउन रखें और जो इलाके ग्रीन जोन में आ गए हैं, वहां सावधानी से लोगों को अपने कामकाज में सक्रिय होने दें। उन कंपनियों से भी हमें सीखना चाहिए, जो भविष्य में ज्यादातर काम अपने कर्मचारियों को घर बैठाकर ही लेंगी। सरकारों के काम कम नहीं हुए हैं, बड़ी संख्या में लोग जगह-जगह फंसे हुए हैं। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने ऐसे लोगों के लिए विशेष ट्रेन की मांग की है, कुछ राज्य बस चलाने के पक्ष में हैं। सुरक्षा के तमाम उपायों और शर्तों के साथ इन सुझावों पर केंद्र सरकार को फैसला लेना चाहिए। ताजा बैठक में एक संकेत साफ मिल गया है, यह राज्य सरकारों के लिए भी परीक्षा की घड़ी है, यह सिद्ध हो जाएगा कि उनका शासन-प्रशासन कितना कुशल और सक्षम है।

बदलते परिदृश्य में चीन

सतीश कुमार

चीन का आर्थिक ढांचा अब खस्ताहाल हो चुका है। ऐसे में भी अगर वह यह दावा कर रहा है कि उसकी व्यवस्था दुरुस्त हो गई है, तो यह केवल दुनिया को भ्रम में डालने से ज्यादा और कुछ नहीं है। चीन की आर्थिक व्यवस्था की रीढ़ निर्यात है। अमेरिका, फ्रांस और यूरोप के कुछ देशों को चीन कुल निर्यात का चालीस फीसद हिस्सा निर्यात करता है। लेकिन अब इन देशों ने चीन के लिए अपने दरवाजे बंद कर दिए हैं। दुनिया में कोरोना महामारी फैलाने के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने चीन को जिम्मेदार ठहराया है। ट्रंप ने खुल कर कहा भी है कि अगर यह सिद्ध हो गया है तो चीन का इसका खमियाजा भुगतना पड़ेगा। और सिर्फ अमेरिका ही नहीं, दुनिया के ज्यादातर देश कोरोना विषाणु फैलने के लिए चीन को ही दोषी मान रहे हैं, भले अमेरिका की तरह खुल कर कह नहीं रहे हों। चीन ने अपने स्वार्थ की पूर्ति के लिए पूरी दुनिया को दहशत में डाल दिया है।

अंतरराष्ट्रीय राजनीति में बहस छिड़ी हुई है कि क्या कोरोना का मामला ठंडा पड़ने के बाद वैश्विक राजनीति का जो नया रूप उभर कर आएगा, उसमे चीन दुनिया का मठाधीश बन पाएगा या नहीं? इस प्रश्न का सटीक उत्तर खोजने के लिए वर्तमान भू-राजनीतिक और विश्व व्यवस्था की चर्चा जरूरी है। कोरोना के आने के पहले से चीन और अमेरिका के बीच लंबे समय से व्यापार युद्ध चल रहा था। कोरोना ने इसमें आग में घी का काम कर दिया। शुरूआती दौर में अमेरिका ने चीन को यह कह कर घेरने की कोशिश कि यह वुहान विषाणु है। अमेरिकी टिप्पणी से आहत होकर चीन ने अमेरिका पर आरोप लगाया कि इसकी शुरूआत तो अमेरिकी सैनिकों द्वारा की गई थी, जब वे वुहान में सैन्य अभ्यास में शिरकत करने पहुंचे थे। लेकिन तेजी से बदलते घटनाक्रमों के बीच पूरी दुनिया चीन को दोषी मानती रही। फिर पासा पलटा।

निश्चिंत अमेरिका और यूरोप जब इस बीमारी के चंगुल में फंसे तो उनकी सांसे थम गईं। कई यूरोपीय देश मसलन स्पेन, इटली, फ्रांस और इंग्लैंड कोरोना के जाल में बुरी तरह जकड़ते चले गए और चीन तो इसमें काफी पूछ छूट गया। खुद अमेरिका में हालात सबसे गंभीर हो गए। दूसरी ओर, निरंकुशता के दम पर चीन ने वुहान को कोरोना मुक्त घोषित करने की चाल चली। उसने अपने दुनिया के देशों के लिए मसीहा के रूप में एक ऐसे राष्ट्र की भूमिका में खड़ा कर दिय, जिससे दुनिया को लगने लगा कि इस हालत से बचाने कि क्षमता अगर किसी देश के पास है, तो वह चीन है। इसी के तहत चीन ने इटली, स्पेन और कई यूरोपीय देशों को सुरक्षा किट भेजने की कूटनीति अपनाई। चीन के द्वारा इस बात की पुष्टि की जाने लगी कि उसका आर्थिक और राजनीतिक तंत्र ज्यादा कारगर और सटीक है। पूरे विश्व में उदारवाद का पुरोधा अमेरिका और पश्चिमी दुनिया की राजनीतिक व्यवस्था हाशिए पर पहुंच गई है। दुनिया में इस बात की खूब चर्चा भी हो रही है।

अब दुनिया तेजी से बदलने के लिए अभिशप्त है। इसका तीसरा दौर भी जल्दी ही शुरू हो गया। इसमें विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) पर अमेरिका का गाज गिरी। अमेरिका ने इस संगठन पर चीन को बचाने के आरोप लगाते हुए उसे पैसा देना बंद कर दिया है। केवल अमेरिका ही नहीं, दुनिया के अन्य

देशों ने भी डब्ल्यूएचओ पर अंगुली उठानी शुरू कर दी। वहीं चीन जो इस बात का दावा कर रहा था कि उसके यहां से कोरोना खत्म हो चुका है, उसने फिर से चीन में दस्तक दे दी है।

चीन ने पिछले पांच दशकों में प्रकृति का जितना दोहन किया है, उतना शायद ही किसी देश ने किया हो। हिमालय से बहने वाली नदियों के पर बड़े-बड़े बांध बना कर उनकी स्वाभाविक धारा को बदलने की साजिश रची गई, जिसका खमियाजा दक्षिण एशिया और दक्षिण पूर्व एशिया के देशों को झेलना पड़ रहा है। तिब्बत के मुहाने पर चीन ने आणविक कूड़ेदान की इजाजत दे दी, जहां से दर्जनों नदियों के शीतल जल का प्रवाह पच्चीस से तीस देशों के बीच होता है। जंगल काटे गए। प्राकृतिक संतुलन ने वन्यजीव को भारी नुकसान पहुंचाया। अगर कोरोना विषाणु के कारणों को जानने की कोशिश करें, तो यही बातें विशेषज्ञों के द्वारा कही जा रही हैं। यह बात कई बार कही जा चुकी है कि इक्कीसवीं शताब्दी एशिया के देशों के लिए है। यह सच है कि इस बीमारी ने परिवर्तन की गति को बढ़ा दिया है। अमेरिका का पतन इस बीमारी के दौरान तीखे ढंग से महसूस किया गया। दूसरे विश्वयुद्ध के बाद यह पहली घटना है जिसमें दुनिया के किसी देश ने अपने को बचाने के लिए अमेरिका से गुहार नहीं लगाई। खुद अमेरिका ने भी नेतृत्व देने की पेशकश नहीं की। कोरिया युद्ध से लेकर अफगानिस्तान संकट तक में अमेरिका संकट मोचक की तरह उपस्थित होकर अपना कूटनीतिक धर्म निभाने की जरूरत महसूस कराता था। लेकिन इस महामारी में वही सबसे ज्यादा संकट में है, इसलिए कैसे वह दूसरों के समक्ष मदद की पेशकश करता। संभवतः अमेरिका पहले की नीति के तहत ही यह सब कुछ हो रहा है। दूसरा, जी-7 और जी-20 जैसे निगरानी करने वाले दुनिया के अमीर देशों के संगठन भी चुप्पी साधे रहे। इनके बीच बैठक भी हुई, तो उसमें कोई एकात्मक भाव दिखाई नहीं दिया। प्रश्न यह है कि क्या चीन ताजपोशी के लिए तैयार है या दुनिया के देश चीन को अपना प्रधान मानाने के लिए उत्सुक है? हालात बता रहे हैं कि चीन के लिए अमेरिका की तरह और अमेरिकी तर्ज पर दुनिया का प्रधान बनना मुश्किल ही नहीं नामुमकिन है। कोरोना संकट ने इस दूरी को और बढ़ा दिया है। पहला, चीन की अंतरराष्ट्रीय विश्वसनीयता खतरे में पड़ गई है। कई यूरोपीय देशों में जो सुरक्षा किट भेजे गए हैं, वे जांच में खतरे नहीं उतरे। भारत में जो किट चीन से आए, वे भी भरोसेमंद साबित नहीं हुए। चीन ने पूरी दुनिया को जिस तरह से खतरे में डाल दिया है, वह चीन की राजनीतिक व्यवस्था पर बेहद गंभीर प्रश्न खड़ा करता है। मठाधीशी के लिए चीन पूरी दुनिया को हाशिए पर धकेल सकता है। अगर उसके हाथ में चाबुक चला गया तो कब विश्व प्राकृतिक विध्वंस के खंडहर में जा गिरेगा, इसकी कल्पना भी नहीं की जा सकती। चीन का आर्थिक ढांचा इस वक्त खस्ताहाल हो चुका है। ऐसे में भी अगर वह इस बात का दावा कर रहा है कि उसकी व्यवस्था दुरुस्त हो गई है, तो यह केवल दुनिया को भ्रम में डालने से ज्यादा और कुछ नहीं है। चीन की आर्थिक व्यवस्था की रीढ़ निर्यात है। अमेरिका, फ्रांस और यूरोप के कुछ देशों को चीन कुल निर्यात का चालीस फीसद हिस्सा निर्यात करता है। लेकिन अब इन देशों ने चीन के लिए अपने दरवाजे बंद कर दिए है। तकरीबन यही स्थिति दुनिया के दूसरे देशों की भी है। इस परिस्थित में चीन की आर्थिक शक्ति कैसे बढ़ेगी। चीन के आर्थिक गलियारे का भी काम पूरी तरह से रुका हुआ है। अरबों डॉलर का कर्ज खटाई में जाता दिखाई दे रहा है। मलेशिया सहित कई देशों ने चीन की इस परियोजना पर सवाल खड़े किए हैं। दुनिया को जीतने के लिए चीन ने एक वैकल्पिक विश्व ढांचा बनाने में अपनी पूरी ताकत झोंक दी थी। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष की जगह उसने अपने एक बैंक की स्थापना की, जो उससे ज्यादा रकम दुनिया के दूसरे देशों को दे सकता है। इसके अलावा उसने उन अंतरराष्ट्रीय संगठनों को भी तिलांजलि दे दी, जो उसकी बात से इत्तफाक नहीं रखते। फिर भी चीन का दुनिया का सबसे ताकतवर देश बनाने का सपना अधूरा ही रहेगा। यह भी साफ है कि अमेरिका भी मठाधीश नहीं होगा। तब कैसी होगी दुनिया की व्यवस्था? क्या रूस, भारत, फ्रांस, जापान और ब्राजील जैसे देशों की अहमियत बढ़ जाएगी?

कोरोना आपदा

राजनीति का मुहावरा भी बदलने वाला है कोरोना

नरेंद्र नाथ

अभी तमाम तरह के आकलन किए जा रहे हैं, राजनीतिक दिशा और नैरेटिव के भी बदलने का अनुमान लगाया जा रहा है। हालांकि इन्हीं स्थितियों में भारत जैसे देशों पर इसके सामाजिक-आर्थिक प्रभावों के कुछ संकेत जरूर मिल रहे हैं। इन्हीं संकेतों के आधार पर एक विचार यह भी सामने आ रहा है कि कोरोना के बाद अमीरी और गरीबी के बीच की बढ़ी हुई खाई राजनीति के मुद्दों नए ढंग से नियोजित करेगी जिसका असर सामाजिक ढांचे से लेकर राजनीतिक समीकरण तक हर कहीं दिख सकता है।

कोरोना वायरस के बढ़ते प्रकोप के बीच जारी लॉकडाउन के साइड इफेक्ट दिखने लगे हैं। जहां एक ओर बीमारी को रोकने की चुनौती है वहीं दूसरी ओर लॉक डाउन से उपजी मुश्किलों से भी निबटना है। इन कठिन हालात के बीच आगे जाकर हमारे देश-समाज-दुनिया की कैसी तस्वीर उभरेगी, इस बारे में निश्चय के साथ अभी कुछ नही कहा जा सकता।

क्यों उठ रही हैं दीवारें

कोरोना के बीच अमीर बनाम गरीब का नैरेटिव अचानक नहीं आया है। राजनीतिक दल अपनी सहूलियत और जरूरत के मुताबिक इस गंभीर मुद्दे को छेड़ने से बाज नहीं आ रहे थे। तमिलनाडु के सीएम पलानीस्वामी ने तो ऑन रेकॉर्ड कह दिया कि कोरोना बीमारी अमीरों की ओर से लाई गई है जिससे गरीब प्रभावित हो रहे हैं। उन्होंने यह तब कहा जब उनके राज्य में इसके कई मरीज आए और लॉकडाउन के बीच गरीबों का जीवन बुरी तरह प्रभावित होने की खबरें आने लगीं। इस बयान को तमिलनाडु के सीएम की ओर से आम लोगों की नाराजगी को कम करके उनसे कनेक्ट करने की एक कोशिश के रूप में देखा गया। मगर बात सिर्फ उनकी नहीं है। बिहार के सीएम नीतीश कुमार ने भी राजस्थान के कोटा से छात्रों को उनके घर भेजे जाने का विरोध कर कहीं न कहीं उसी दिशा में संदेश देने की कोशिश की।

लॉकडाउन के तुरंत बाद पूरे देश से प्रवासी मजदूरों ने अपने घर जाने की कोशिश की। उनमें कई मजबूर मजदूर तो हजारों किलोमीटर पैदल चलकर घर पहुंचे। सरकार ने उन्हें लाने के लिए अपनी तरफ से कोई खास कोशिश नहीं की। कुछ दिन पहले महाराष्ट्र के बांद्रा में हजारों मजदूर जुटे तो हंगामा भी हुआ। पुलिस की लाठी चली। मजदूरों की मजबूरी भरी कहानी मीडिया से लेकर सोशल मीडिया तक खूब आई। ऐसे में नीतीश कुमार को अहसास हुआ कि अगर वह कोटा के स्टूडेंट्स को लाने के लिए अलग से इंतजाम करते हैं तो इसका सीधा संदेश यह जाएगा कि वह गरीबों की मदद नहीं करना चाहते हैं और सामर्थवान लोगों के साथ खड़े हैं।

नीतीश सरकार के एक मेंबर ने एनबीटी से कहा कि कोटा से स्टूडेंट्स को लाना राजनीतिक और प्रशासनिक दोनों स्तर पर गलत फैसला होता। छात्रों को न लाने के अपने फैसले पर बिहार सरकार को कोई अफसोस नहीं है। सिर्फ बिहार और तमिलनाडु ही नहीं, सभी राज्य सरकारों को इस बात का अहसास है कि अभी सबसे गरीब लोग सबसे ज्यादा प्रभावित हो रहे हैं और इसलिए राजनीतिक कारणों से भी उनका ध्यान रखते हुए दिखना बेहद जरूरी है। शायद इसीलिए तमाम राज्यों ने लॉक डाउन के बीच गरीबों के लिए ढिलाई की मांग भी की है। फिर भी उनकी मजबूरी भरी दास्तां सामने आती रही है। माना जा रहा है कि लॉकडाउन के बाद उन्हें परेशानियों से निजात दिलाकर दोबारा सामान्य जीवन जीने लायक बनाने के लिए बड़े पैमाने पर प्रयास करने की जरूरत होगी। दरअसल बीमारी के इस संकट से उबरने के बाद अमीर बनाम गरीब की लकीर गहरी होने की आशंका के पीछे कुछ ठोस वजहें भी हैं। भारत सहित तमाम विकासशील देशों के बारे में जो रिसर्च आधारित आकलन आ रहे हैं उनके मुताबिक बीमारी का कहर करोड़ों ऐसे लोगों को दोबारा गरीबी के दलदल में धकेल देगा जो हाल के वर्षों में विकास की निरंतरता की बदौलत उससे निकल गए थे। यूएन ने पिछले दिनों रिपोर्ट दी जिसके अनुसार 10 करोड़ 40 लाख नए लोग वर्ल्ड बैंक की ओर से तय की गई गरीबी रेखा से नीचे चले जाएंगे।

सवाल सरकार की साख का

मौजूदा हालात पर गौर करें तो देश की 60 प्रतिशत आबादी मतलब लगभग 80 करोड़ लोग गरीबी रेखा से नीचे रहते हैं। अगर संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट सच हो जाती है तो आने वाले समय में भारत में गरीबी रेखा के नीचे जीने वाले लोगों की संख्या 90 करोड़ के आंकड़े को पार कर जाएगी। इन गरीब तबके के लोगों के बीच अब तक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अगुआई वाली केंद्र सरकार ने अपनी साख बनाई थी जिसकी बदौलत उसने 2019 में लगातार दूसरी बार चुनावी जीत हासिल की थी।

मोदी सरकार ने अपने पहले टर्म में प्रधानमंत्री आवास, मुफ्त शौचालय और रसोई गैस उपलब्ध कराने के लिए उज्ज्वला जैसी योजनाएं शुरू कीं जिसका उन्हें बड़ा सियासी लाभ मिला। उनकी पार्टी को गरीबों के बड़े तबके का वोट मिला। मोदी सरकार ने दावा किया कि 70 सालों में गरीब जिन बुनियादी सुविधाओं से वंचित रहे, वे सुविधाएं उन्हें मुहैया कराने में वह अपनी पूरी ताकत लगाती रही है। इस तबके के लोगों का बैंक अकाउंट खुलवाना भी इसी कवायद का हिस्सा था। पीएम मोदी ने इन्हीं नीतियों की मदद से गरीबों के रूप में एक बड़ा वोट बैंक बनाया जिसमें जातियों की भी दीवार टूटी है। लेकिन कोरोना संकट ने इसी गरीब तबके को कई कदम पीछे धकेल दिया।

अब चुनौती न सिर्फ उन्हें दोबारा सामान्य हालात में लाने की है बल्कि जो अपेक्षा इस सरकार ने बनाई उसे बरकरार रखने की भी है। जानकारों के अनुसार इसका असर कोरोना संकट के समाप्त होने के कुछ महीने बाद दिखने लगेगा। अभी केंद्र सरकार सहित तमाम राज्य सरकारों ने फौरी तौर पर जरूर इन्हें मदद दी है, लेकिन आगे की लड़ाई लंबी है और जो इस लंबी लड़ाई में उन गरीबों के साथ खड़ा होने में जो जितना सफल होगा उसे सियासी प्रीमियम भी उतना ही मिलेगा।

युग

ईश्वर की अद्भुत कृति का ही,नाम प्रकृति कहलाता।
समय चक्र के साथ प्रकृति का चक्र घूमता जाता।
समय सदा गतिशील निरन्तरआगे बढ़ता रहता।
और सदा इतिहास अनूठे,जग में गढ़ता रहता।
इसी समय के काल खंड को ज्ञानी हैं युग कहते।
सतयुग,त्रेता,द्वापर,कलयुग,क्रम से आते रहते।
हर युग की है अवधि सुनिश्चित ग्रंथ यही बतलाते।
उसी अवधि के निश्चित क्रम से,युग आते युग जाते।
हर युग में लोगों ने स्वर्णिम नव इतिहास गढ़े हैं।
ज्ञान,बुद्धि,बल निज पौरुष से, दुर्गम शिखर चढ़े हैं।
हर युग की गत गौरव गाथा,प्रति पल गाई जाती।
समय,परिस्थिति औ प्रसंग बश, वह दुहराई जाती।
हर युग की अपनी मर्यादा,युग की अलग महत्ता।
नियम,नीति पालन में बदलीं,समय-समय पर सत्ता।
युग के अपने काल खंड के,अपने-अपने नायक।
लेकिन जो दुनिया के नायक,वह हैं श्री रघुनायक।

श्याम सुन्दर श्रीवास्तव कोमल
व्याख्याता -हिन्दी
अशोक उ0मा0विद्यालय,लहार
जिला-भिण्ड(म0प्र0)

व्यापक व्यापारिक एवं औद्योगिक हित में म. प्र. विद्युत प्रदाय संहिता,2013 की कंडिका 11.2 के अन्तर्गत स्वीकृत भार को कम करने हेतु चेम्बर ऑफ कॉमर्स द्वारा आवेदन का प्रारूप किया गया जारी

ग्वालियर। चेम्बर ऑफ कॉमर्स द्वारा लॉकडाउन अवधि में व्यापक व्यापारिक एवं औद्योगिक हितों को ध्यान में रखते हुए स्वीकृत विद्युत भार को कम किए जाने हेतु एक आवेदन का प्रारूप तैयार किया गया है, जिसमें व्यवसाई अथवा उद्यमी केवल संबंधित जोन का नाम एवं संभाग के नाम सहित अपने सर्विस क्रमांक की जानकारी भरकर आवेदन कर सकते हैं। उक्त आवेदन में भारत सरकार द्वारा दिनांक 25 मार्च से निरन्तर घोषित किए गए लॉकडाउन के कारण ऐसी इकाई जो कि पूर्णतः बंद है और इतनी लंबी अवधि के बाद भविष्य में एक साथ कार्यरत लोगों के साथ कार्य करने की संभावना भी नजर नहीं आती है। ऐसी इकाईयाँ अपना स्वीकृत भार कम करने हेतु आवेदन कर सकती हैं।

तुझ पर विजय पाएंगे

कितनों के घर है उजड़ गए
तेरे किए नरसंहार में,
हर सीमा को लांघ करके तूं
है फैल गया संसार में।
मुश्किल है इलाज तेरा माना,
पर नहीं बैठेंगे मौन धरके,
हर वह प्रयास अपनाएंगे कोई भी हद को पार करके।
हाथ मिलाना छोड़ कर ,
हाथ जोड़ने की संस्कृति अपनाएंगे ,
भरसक प्रयास करके सबको अवगत हम कराएंगे।
हाथ धोकर बार बार ,मुंह पर मास्क लगाएंगे ,
लक्षण पाते ही तुरंत चेकअप हम कराएंगे। लॉकडाउन कापालन करके
सोशल डिस्टेंसिंग हम अपनाएंगे,
अफवाहों से बचेंगे तथा फैलने से बचाएंगे ,
सोशल मीडिया के माध्यम से सबको जागरूक हम कराएंगे।
सात वादों का पालन करके भारत से तुझे भगाएंगे ।
आज सूना है हर देश जो तेरी चपेट में आ गया,
पर एकता और धैर्य शक्ति से,
तुझ पर विजय पाएंगे
तुझ पर विजय पाएंगे।

याशी चंद्रा
केआरजी महाविधालय, ग्वालियर मप्र

लॉकडाउन धीरे धीरे हटेगा, कोरोना साथ साथ चलेगा !

इकबाल हिन्दुस्तानी

कृषि क्षेत्र सहित कुछ क्षेत्रों से लॉकडाउन पहले चरण के बाद ही हट चुका था। पहले रोजे से कुछ और दुकानें खुल गयीं हैं। बाकी 3 मई के बाद धीरे धीरे अलग अलग राज्यों के हिसाब से लॉकडाउन आज नहीं तो कल किश्तों में हटना ही है। लेकिन एक चीज जो महीनों या सालों तक नहीं जायेगी वह कोरोना है। जाहिर है कि कोरोना अब हमारी जिंदगी के साथ साथ चलेगा। इसलिये बचाव को सावधनी लगातार जारी रखनी होगी।

कृषि क्षेत्र सहित कुछ क्षेत्रों से लॉकडाउन पहले चरण के बाद ही हट चुका था। पहले रोजे से कुछ और दुकानें खुल गयीं हैं। बाकी 3 मई के बाद धीरे धीरे अलग अलग राज्यों के हिसाब से लॉकडाउन आज नहीं तो कल किश्तों में हटना ही है। लेकिन एक चीज जो महीनों या सालों तक नहीं जायेगी वह कोरोना है। जाहिर है कि कोरोना अब हमारी जिंदगी के साथ साथ चलेगा। इसलिये बचाव को सावधनी लगातार जारी रखनी होगी। कोरोना एक बीमारी है। यह अजीब तरह की बीमारी है। इसके प्लेग स्पेनिश फ्लू व ब्लैक फीवर की तरह महामारी बनने का खतरा दुनिया पर अब भी मंडरा रहा है। पहले आई महामारियों में करोड़ों लोग मारे गये थे। उस समय आज की तरह आधुनिक स्वास्थ्य सुविधायें तेज जनसंपर्क और लॉकडाउन जैसी सुविधायें दुनिया में उपलब्ध नहीं थीं। लेकिन यह भी सच है कि एक देश की महामारी इतनी जल्दी और इतनी तेजी से दूसरे देशों में भी पहले नहीं फैलती थी। इसकी वजह यह थी कि यातायात के साधन उतने अच्छे नहीं थे। जितने आज हैं। हालांकि कुछ जानकारों का मानना है कि लॉकडाउन से कोरोना को खत्म नहीं किया जा सकता। लेकिन इससे होने वाला नुकसान कम किया जा सकता है। कुछ सूत्रों का दावा है कि लॉकडाउन तो एक तरह से पॉज बटन का काम करेगा। जैसे ही लॉकडाउन खत्म होगा। लोग घरों से बाहर निकलेंगे। एक दूसरे के संपर्क में आयेंगे तो कोरोना का असर फिर से बढ़ने लगेगा। अब यह तो समय ही बतायेगा कि इस आशंका में कितनी सच्चाई है? लेकिन जानकारों की इस बात में दम है कि लॉकडाउन का वास्तविक लाभ तभी मिलता है। जब सरकारें शत प्रतिशत ना सही अपने अधिकतक नागरिकों की देशबंदी के दौरान कोरोना जांच कर लें। हमारे देश में हालत यह है कि शासन प्रशासन के तमाम प्रयासों के बावजूद कोरोना संक्रमित तक अपने घरों में छिपे बैठे हैं। वे तमाम अपील और कोई कानूनी कार्यवाही या उत्पीड़न ना करने के सरकार के आश्वासन के बावजूद जाने अंजाने में अपने घरों मुहल्लों व पूरे रिहायशी इलाकों के लिये कोरोना प्रसार का खतरा बने हुए हैं। इससे भी बड़ी चिंता की बात यह है कि कोरोना लगातार अपने रंग बदल रहा है। पहले इसके लक्षण 7 से 14 दिन में दिखने लगते थे। इसके बाद कुछ मामलों में कोरोना संक्रमितों में बुखार खांसी और सांस लेने में तकलीफ की शिकायत 21 से 28 दिन बाद सामने आने लगी। सरकार ने कोरोना के बारे में विशेषज्ञों की इसी राय को नजर में रखते हुए ही पहले चरण का लॉकडाउन 14 की बजाये 21 दिन का रखा था। लेकिन जब 28 दिन और उससे भी अधिक दिन की बात सामने आयी तो सरकार ने 19 दिन और बढ़ाकर इसको कुल 40 दिन का यह सोचकर किया होगा कि इससे जो भी कोरोना रोगी होंगे। उन सबके लक्षण हर हाल में सामने आ जायेंगे। ऐसे में उन हजार या लाख दो लाख लोगों का इलाज करके देश के बाकी लोगों को कोरोना के प्रकोप से बचाया जा सकेगा। लेकिन कोरोना ने 79 फीसदी रोगियों में अपने लक्ष्ण जाहिर ना करके हमारे देश ही नहीं पूरी दुनिया के सामने यह नई चुनौती पेश कर दी कि कोरोना पीड़ितों को कैसे तलाश किया जाये? जाहिर बात है कि जब तक हम एक एक कोरोना पीड़ित को देश में चिन्हित नहीं कर लेते उनका इलाज भी नहीं कर सकते। हालांकि सरकार ने इस दौरान स्वास्थ्य सुविधायें बढ़ाने कोरोना संक्रिमितों की जांच करने को लैब बड़े पैमाने पर स्थापित करने अस्पताल की संख्या बढ़ाने रेलवे के कोचों में अस्थायी कोरोना चिकित्सालय बनाने वैंटिलेटर और कोरोना टैस्ट की त्वरित किटें मंगाने में काफी अच्छा काम किया है। कोरोना आने के बाद की दुनिया में सबको मास्क लगाना सड़क पर ना थूकना फिजिकल डिस्टेंसिंग रखना बार बार साबुन से हाथ धोना बिना जरूरत घर से नहीं निकलना भीड़ में जाने से बचना शादी जन्मदिन की छोटी से छोटी पार्टी करना चाट मिठाई व चाउमिन डोसे और बाहर का खुला सामान खाने से बचना डिजिटल पेमेंट करना खांसते छींकते समय मुंह ढकना हाथ ना मिलाना गले ना मिलना किस ना करना घर से बाहर जाने पर वापस आते ही नहाना दूसरे जूते चप्पल पहन लेना अवांछित लोगों को घर से बाहर ही रखना फालतू लोगों से ना मिलना फालतू बात ना करना स्कूल जाने वाले बच्चों को अपने साथ के बच्चों से दूरी बनाये रखने को समझाना सफाई का घर पर खास खयाल रखना और अनावश्यक सार्वजनिक स्थानों सिनेमा मीटिंग खरीदारी खेलकूद पिकनिक यात्रा टालना हर किसी से मिलने में 6 फुट से अधिक की दूरी बनाये रखना ही कोरोना से बचाव का एकमात्र रास्ता होगा। यानी सरकार की भूमिका लॉकडाउन के बाद एक सीमा तक ही काम करेगी। हम सबको खुद ही ऐसे तौर तरीके विकसित करने होंगे।

दैनिक
पुष्पांजली टुडे

मिला-जुला

ग्वालियर, गुरुवार, 30 अप्रैल 2020

कोरोना से जंग जीत अब परिवार के साथ समय बीता रही हैं कनिका कपूर

बॉलीवुड सिंगर कनिका कपूर बीते दिनों कोरोना वायरस पॉजिटिव पाई गई थी जिसके बाद उनका कुछ दिनों तक लखनऊ में इलाज चला और वह पूरी तरह ठीक हुईं। वहीं इन दिनों सिंगर अपने परिवार के साथ लखनऊ में समय बीता रही हैं। कनिका ने अपने इंस्टाग्राम पर फोटो शेयर की है जिसमे वो चाय पीते नजर आ रही हैं। कनिका कपूर ने फोटो शेयर करते हुए लिखा-आपको चाहिए एक गर्म मुस्कान, एक गर्म दिल और एक गर्म कप चाय।

वहीं कनिका कपूर ने एक अपना स्टेटमेंट भी शेयर किया है जिसमे उन्होंने उन सभी सवालों के जवाब दिए है जो उनके पर उठाए थे। कनिका कपूर ने लिखा है- कनिका कपूर ने बताया कि जब वो 10 मार्च को यूके से मुंबई आईं तो एयरपोर्ट पर स्क्रीनिंग सेटअप नहीं था। साथ ही यूके ट्रेवल एडवाइजरी भी 18 मार्च को रिलीज हुई थी। मुंबई आकर अगले ही दिन कनिका कपूर 11 मार्च को अपनी फैमिली के पास लखनऊ चली गईं। वहां भी एयरपोर्ट पर कोई स्क्रीनिंग नहीं थी। 14-15 मार्च को कनिका कपूर ने अपने फ्रेंड्स के साथ लंच और डिनर किया तब तक उनकी तबीयच पूरी तरह से नॉर्मल थी। कनिका ने वहां पर कोई पार्टी नहीं रखी थी। 17 मार्च को जब कनिका कपूर को अपनी तबीयत असामान्य लगी तो वो अगले ही दिन चैकअप कराने गईं। 19-20 मार्च को टेस्ट होने के बाद उन्हें कोरोना पॉजीटिव होने की जानकारी मिली और इसी के साथ कनिका कपूर को हॉस्पिटल में एडमिट कर लिया गया। कनिका कपूर लिखती हैं, ट्रीटमेंट के बाद जब लगातार मेरे 3 टेस्ट निगेटिव आए तभी मुझे हॉस्पिटल से डिस्चार्ज किया गया। 21 दिन तक मुझे घर में रहने को कहा गया है। मैं अपने डॉक्टर्स और नर्स को थैंक्यू कहना चाहती हूं जिन्होंने मेरी देखभाल की। किसी पर्सन पर निगेटिविटी लाद देने से असलियत नहीं बदल जाएगी। वर्कफ्रंट की बात करें तो कनिका कपूर ने बॉलीवुड में कई सुपरहिट गाने गाए हैं बेबी डॉल, चिटिया कलाईयां।

मेडिकल ऑफिसर डॉ निशांत यादव ने किया सभी का परीक्षण

दबोह(मोहित गोस्वामी) कोरोना वायरस संक्रमण के चलते दबोह प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र मेडिकल ऑफिसर निशांत यादव ने मंगलवार को कुल 18 लोगो को कवारनटाइन किया है।जिनमे से जबलपुर से दबोह आये विवेक पुत्र विशुन मांझी उम्र 17 वर्ष महाराष्ट्र से गोरा आये चरण सेवक पुत्र सुखदीन शाक्य उम्र 48,महाराष्ट्र से बरथरा आये देवेंद्र पुत्र तेजपाल उम्र 25,भोपाल से दबोह आये मंगल पुत्र ग्याप्रसाद उम्र 24,ग्याप्रसाद पट घसीटे उम्र 40 वर्ष, अहमदाबाद से रतनपुरा आये धर्मसिंह पुत्र जगदीश सिंह उम्र 20 वर्ष,महाराष्ट्र से बरथरा आये रामलखन उम्र गुलूराम उम्र 40 वर्ष,बड़ोदरा से डडुआ आये जितेंद्र पुत्र मानसिंह उम्र 19 वर्ष, मानसिंह पुत्र खुशाली उम्र 50

वर्ष,निशाल पत्नी जितेंद्र उम्र 18 वर्ष, खरगौन से पड़री आये पवन आउटर अर्जुन उम्र 26 वर्ष,कांति पत्नी उम्र 26 वर्ष, सोमेश पुत्र पवन उम्र 14 वर्ष, रोमेश पुत्र पवन उम्र 13 वर्ष, धर्मेन्द्र पुत्र अर्जुन उम्र 25 वर्ष, लक्ष्मी पत्नी धर्मेंद्र उम्र 24 वर्ष, अभजीत पुत्र धर्मेंद्र उम्र 09 वर्ष, आदिति पुत्री धर्मेंद्र उम्र 06 वर्ष को क्वारनटाइन किया गया। यहां बता दें कि मेडिकल ऑफ़िसर डॉ. निशांत यादव द्वारा मंगलवार को कन्या व बालक छात्रावास में सभी लोगो को क्वारनटाइन किया गया है।इससे पहले मेडिकल ऑफिसर डॉ.निशांत यादव व सद्दीक खान द्वारा सभी का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया उसके बाद उन्हें छात्रावास क्वारनटाइन में रखा गया।यहां बताना मुनासिब होगा कि दबोह मेडकिल ऑफ़िसर डॉ.निशांत यादव बाहर से आये लोगो की सूचना मिलने और तत्काल लोगो का परीक्षण कर उन्हें क्वारनटाइन कर रहे है।इस दौरान मेडिकल ऑफ़िसर डॉ.निशांत यादव के साथ दबोह स्वास्थ विभाग के कर्मचारी मौजूद रहे।

पानमसाला व तम्बाखू दबोह ले जा रहे तीन लोग गिरफ्तार

दबोह, (मोहित गोस्वामी)। थाना अंतगर्त आने बाले मध्यप्रदेश व उत्तरप्रदेश की सीमा से सटे हुये ग्राम धोरका बैरियल पर तैनात उपनिरीक्षक राजेंद्र सिंह चौहान ने बीहड़ के रास्ते जब तीन लोगो को सर पर सामान रख कर आते हुये देखा गया तो पुलिस के द्वारा उन्हें रोक कर तलासी ली,तलासी के दौरान उक्त व्यक्तियों के पास थैलो में कुल 4700 रूपये के राजश्री पानमसाला व तम्बाखू के पैकेट मिले जिन्हें जप्त कर तीनो व्यक्ति क्रमशः हृदेश पुत्र नन्दराम जाटव उम्र 22 वर्ष निवासी जसावली थाना भगवापुरा जिला दतिया,दिनेश बघेल पुत्र महाराज सिंह बघेल उम्र 21 वर्ष एवं महावीर पुत्र महाराज सिंह बघेल उम्र 19 साल निवासी धर्मपुरा थाना रावतपुरा के विरुद्ध अपराध धारा 188,271 भादवि के तहत मामला दर्ज कर विवेचना में लिया गया एक ओर जहाँ कोरोना वैश्विक महामारी के बचाव के लिए राज्य सरकार के द्वारा पूरे मध्यप्रदेश में पानमसाला व तम्बाखू पर रोक लगा दी है तो बही दूसरी ओर पानमसाला व तम्बाखू के लिये तड़पते लोग पानमसाला व तम्बाखू की तलाश में सरकार के सभी नियमो को तोड़कर अपने जीवन को खतरे में डाल कर पानमसाले के लिए कही भी जाने व महँगी-महँगी कीमतों पर खरीदने को तैयार है यहाँ बता दे कि कस्बा दबोह उत्तरप्रदेश की सीमाओं से सटा हुआ है जहाँ से इन मादक पदार्थो की सप्लाई काफी दिनों से होने की संभावना व्यक्त की जा रही थी जबकि मध्यप्रदेश व उत्तरप्रदेश दोनों राज्यो की सीमाये सील्ड व वही दोनों राज्यो फ़ोर्स तैनात है फिर भी मादक पदार्थो की सप्लाई एक यक्ष प्रश्न बना हुआ है।

पाली जिले के हेमावास बांध के संपूर्ण धरतीपुत्र किसान मोर्चा के सभी जनप्रतिनिधि और किसानों ने इस समय जरूरतमंदों के लिए सहायक सरकार बने और पाली जिले के गिरधारी सिंह ढाणी के किसानों ने मिलकर गेहूं इकट्ठे करके उनका आटा बनाकर 10 किलो के पैकेट तैयार किए जिसमें प्रति जरूरतमंद को 10 किलो पैकेट के हिसाब से उसको धरती पुत्रों द्वारा मदद दी जा रही है जिसमें हेमावास बांध के चेयरमैन गिरधारी मंडली के नेतृत्व में पाली समिति के गांव दयालपुरा मंडिया हेमावास सोनाई माजी मंडली और अनेक गांवों में आज उनका खाद्य सामग्री वितरण का सातवां दिन है जो हर गांव में घूम घूम के सर्वे के अनुसार गरीब से गरीब परिवार को धरती पुत्रों द्वारा सहायता दी जा रही है इस प्रकार सबसे श्रेष्ठ धरतीपुत्र किसानों ने अपने दम पर इस प्रकार यह संकल्प लिया की इस समय की वैश्विक महामारी से किसी भी गरीब वर्ग के परिवार किसी भी प्रकार की समस्या नहीं हो और इस समय सरकार ने भी अपनी ओर से संपूर्ण प्रयास किए लेकिन कुछ जरूरतमंदों को सरकार की योजना का लाभ नहीं मिलने से धरतीपुत्र ने सरकार के सहयोग सरकार बने और उन्होंने इस प्रकार जरूरतमंदों के लिए सर्वश्रेष्ठ सहायक बने जिसमें किसान मोर्चा के उपाध्यक्ष राजस्थान और हेमावास बांध के चेयरमैन गिरधारी सिंह मंडली और हेमावास बांध के जल कमेटी के अध्यक्ष गिसू लाल चौधरी चेनाराम जाट महावीर सिंह संजय प्रताप सिंह चंपावत सहित अनेक गणमान्य लोग इस समय जरूरतमंद परिवार के लिए अपनी सेवाएं दे रहे हैं।

अम्बाह तम्बाकू की 12 बौरी के साथ तम्बाकू माफिया गिरप्तार

केशब पडित जी अम्बाह

मुरैना / अम्बाह बैश्विक महामारी कोरोना का फैलाब रोकने की मंशा से मध्यप्रदेश शासन ने गुटका, पान मशाला,

तम्बाकू, जैसे उत्पादों के क्रय बिक्रय भण्डारण पर रोक लगा दी है क्यो कि लोग गुटका व तम्बाकू चबाते हुये लापरबाही पूर्बक सडको व सार्बजनिक स्थानो पर थूकते है जिससे कोरोना का संक्रमण फैलने की आशंका है बाबजूद इसके कुछ लोग इन उत्पादो की तस्करी कर रहै है अम्बाह पुलिस ने ऐसे ही दो लोगो को हिरासत मे लिया है जानकारी के अनुसार अम्बाह थाना क्षेत्र के अन्तर्गत पुराने बाजार मे बडे जैन मन्दिर के पास किसी दुकानदार की अनुमति प्राप्त गाडी को रोका तो उसमे सचिन पुत्र अनिल कुमार गुप्ता उम्र 28 बर्ष नि. सदर बाजार मुरैना को शक्कर की बोरियो के साथ बैसी ही बोरियॉ में पैक 12 बोरी शक्कर की बोरियो के नीचे छिपाकर दूसरे जिले से लाई गई थी बिश्वनीय मुखबिर के द्वारा उपनिरी. महाबीर शर्मा मय फॉर्स के मॉके पर पहुच कर माल को अपने कब्जे में लेकर एक ब्यक्ति को गिरप्तार किया गया है ताहि अपराध 188,270 ,271 पर पंजीबृध्द कर कारबाही की गई है...

आह्वान है तुमसे , तुम्हारे रक्तदान का किसी के जीवनदान का आकाश गुप्ता

सतना/ जीडीओ संस्था के सचिव आकाश गुप्ता नवस्ता और उपाध्यक्ष स्वप्निल बर्मन के द्वारा 396-397 रक्तदान पूरे किए और इस मुहिम को आगे बढ़ाते हुए ऐसी करोना जैसी महामारी ऐसी संकट घड़ी में अपनी जान की दाव में लगा कर हमारे आकाश गुप्ता जी सबकी मदद के लिए लगातार आगे है और जीडीओ संस्था के सदस्य रक्तदान करने जिला अस्पताल पहुचे पहला रक्तदान कपिल तिवारी ने मरीज रामू को दिया और दूसरा रक्तदान आदर्श प्रजापति ने दिग्विजय सिंह को दिया और दिग्विजय सिंह बरेठिया कोलार के रहने वाले है आकाश गुप्ता ने बताया कि दिग्विजय सिंह ब्लड बैंक में खड़े थे परेशान परेशान नजर आएं और आकाश ने पूछा कि भाई आप कैसे परेशान है तो उन्होंने बोला कि मुझे रक्तदान की सख्त आवश्यकता है और मेरे पास कोई देने वाला नहीं है तभी आकाश ने रक्तदान देकर उनकी जान बचाई। और आकाश ने कहा रक्त की हर बूंद में एक मंजिल का आह्वान हैं,निस्वार्थ कर्म से ही मानवता की पहचान है। जीडीओ टीम सचिव आकाश गुप्ता नवस्ता,उपाध्यक्ष स्वप्निल वर्मन नागोद, सहयोगी दल के अंकित तोमर,आदर्श प्रजापति,रामु पांडेय,राज साहू उपस्थिति रहे।

रमजान में भी जमकर वर्कआउट कर रही हैं हिना खान

टीवी और बॉलीवुड एक्ट्रेस हिना खान इन दिनों लॉकडाउन के चलते घर में ही कैद है। बीते दिनों रमजान पाक का महीना भी शुरू हुआ है। ऐसे में एक्ट्रेस भी रमजान रख रही हैं। रजमान के दौरान हिना खान जमकर वर्कआउट भी करती नजर आ रही हैं। हिना खान अपने फिटनेस को लेकर काफी सजग हैं और इस बात का सबूत उनकी ये वीडियो और तस्वीरें दे रही हैं। उन्होंने इंस्टाग्राम पर कई वीडियो शेयर किए हैं, जो इंटरनेट पर तेजी से वायरल हो रहे हैं। हिना खान ने वर्कआउट का वीडियो शेयर करते हुए लिखा,क्वारेंटाइन वर्क आउट दिनों की गिनती मत करो.. ऐसा करो कि दिन गिनती करे। रमजान का पाक महीना शनिवार से शुरू हो गया है। रमजान के पहले दिन हिना खान ने सादगी भरे अंदाज में लोगों को रमजान की मुबारकबाद दी थी। उन्होंने सेहरी की कुछ फोटोज भी शेयर की हैं। इससे पहले हिना खान का एक फनी वीडियो वायरल हुआ था, जिसमें वे लॉकडाउन के कारण परेशान नजर आईं थी। वीडियो में कोई उनसे लॉकडाउन में उनका हालचाल पूछता है। इसपर हिना बौखला जाती हैं और पागलों की तरह जोर-जोर से सिर घुमाने लगती हैं। बैकग्राउंड में हम धीरे-धीरे पागल हो रहे हैं गाने की आवाज सुनाई दे रही है। बता दें कि हिना खान ने ये रिश्ता क्या कहलाता है सीरियल से एक्टिंग करियर की शुरूआत की थी। इसके बाद वो खतरों के खिलाड़ी और बिग बॉस जैसे रिएलिटी शोज में नजर आईं। कसौटी जिंदगी की 2 में कोमोलिका का रोल निभाने के बाद उन्होंने फिल्मों में डेब्यू किया है।

सिरवी समाज बनी जरूरतमंदों के लिए सहायक सरकार

पाली राजस्थान रानी उपखंड क्षेत्र के ग्राम गुड़ा एंदला में सिरवी समाज जरूरतमंदों के लिए सहायक सरकार बने और गुड़ा एंदला के धर्मेंद्र सिरवी द्वारा आज उनके ग्राम में जरूरतमंदों को भोजन के पैकेट वितरण की जिसमें मेट्रो मेडिकल एसोसिएशन संचालक धर्मेंद्र सिरवी द्वारा आज इस समय की वैश्विक महामारी से पीड़ित परिवार को अपने और से भोजन के पैकेट तैयार करके वितरण किए और जिसमें इस समय की वैश्विक महामारी से विश्व इस मामले के चपेट में आया हुआ है उसके भारत सरकार के साथ-साथ समाज के भामाशाह भी इस समय जरूरतमंदों के लिए सहायक सरकार बने और इस प्रकार से समाज के भामाशाह हर ग्राम में अलग-अलग स्तर पर अपना सहयोग देने हैं और सीरवी समाज जनप्रतिनिधि भी इस समय भारत सरकार के साथ-साथ अपना महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं जिसमें जिला परिषद सदस्य खीमाराम सिरवी और ग्राम पंचायत ढारिया सरपंच प्रतिनिधि ने अपने ग्राम में जरूरतमंदों को हर संभव मदद की और सिरवी ने अपने ग्राम में रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने के लिए आयुर्वेदिक औषधि काढ़े की दवा बनाकर अपने ग्राम में पिलाई गई और इस प्रकार हर जगह सीरवी समाज के भामाशाह इस समय सबसे महत्वपूर्ण योगदान दें सीरवी समाज राजस्थान प्रवासी राज्य में भी अपनी ओर से जरूरतमंदों को सहयोग दे रहे हैं इसी प्रकार ग्राम पंचायत सिवास के सरपंच फुसारम सिरवी अपनी ओर से निशुल्क वितरण किए सीरवी समाज के सभी भामाशाह और जनप्रतिनिधि ने अपनी ओर से सभी जरूरतमंदों को बताया कि इस समय की वैश्विक महामारी से सरकार निर्देशों का पालन करें पुलिस प्रशासन का भी सम्मान करें सरकार के छोटे बड़े प्रशासनिक अधिकारियों का भी पूर्ण रुप से सम्मान करें और बताया कि सोशल डिस्टेंस ही इसका उपचार हैं सीरवी समाज के भामाशाह हरगांव का मैं अपना सहयोग के साथ हर व्यक्ति को इस वैश्विक महामारी के फैलाव रोकने के लिए आप भारत सरकार का सहयोग करें।

कलयुग में आज भी भगवान परशुराम है : नीलम

संदीप प्रधान ब्यूरो चीफ

दतिया ब्यूरो। भगवान विष्णु के छठवें अवतार भगवान परशुराम जी

घर-घर दीप जलाकर भगवान परशुराम जयंती मनाई

का जन्मोत्सव लॉकडाउन के चलते लोगों ने घर-घर सोशल डिस्टेन्स का पालन करते हुये मनाया। उन्होंने भगवान परशुराम जन्मोत्सव अपने घरो में ही पूजन करके उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की व उनकी आरती और 11 दीपक जलाये, साथ ही भगवान से विनती की कि सम्पूर्ण

मानव जाति पर आई इस कोरोना रूपी महा विपत्ति का नाश उसी प्रकार करें, जैसे आपने इस पृथ्वी को दानव एवं असुरों से विकहीन किया था। सम्पूर्ण जिले में घर-घर 11,21,51 दीपक जलाये। इस दौरान उपस्थित ब्राम्हण समाज के बंधुओ ने कहा कि भगवान परशुराम जी का अवतरण इतिहास के अनुसार 5142 वि.पू.वैशाख मास में शुक्लपक्ष की तृतीया को दिन, रात्रि के प्रथम प्रहार में हुआ था भगवान का जन्म समय सतयुग और त्रैतायुग का संधीकाल माना जाता है इस दिन अक्षय तृतीया मनाई जाती है, अक्षय तृतीया के दिन अवतरण होने के कारण भगवान परशुराम की शक्ति कभी अक्षय होती कलयुग में आज भी भगवान परशुराम है। इस अवसर पर ब्राम्हण समाज से नीलम उदैनिया, कल्पना तिवारी, रितु उदैनिया आदि उपस्थित रही।

जिगना पुलिस अपनी जान जोखिम में डालकर लोगों की जान से नहीं होने दे रहे खिलवाड़ समझाइश और सतर्कता बरत रही जिगना पुलिस

संदीप प्रधान ब्यूरो चीफ

दतिया / थाना प्रभारी जिगना रविंद्र शर्मा बताया कि खंडवा से 22 लोग सहित आई बस को थाना जिगना द्वारा लगा चेकिंग प्वाइंट ननवाह-तिराहे पर बस को रोका गया थाना प्रभारी रविंद्र शर्मा की टीम द्वारा नाका पर रोककर एसडीएम वीरेंद्र सिंह बघेल जी को अवगत करा मेडिकल टीम को मौके पर बुलाया डॉक्टर केएल गुप्ता डॉक्टर अंजली गुप्ता द्वारा सभी की जांच कर दतिया के सभी 07 लोगों को निवासी सहानी मोहल्ला को होम आइसोलेशन कराया गया। थाना प्रभारी ने बताया कि गुजरात व अन्य स्थानों से प्रशासन के सहयोग से लोगों का आना जाना जारी है सभी बॉर्डर पर पुलिस तैनात होकर मेडिकल बाद ही दतिया में प्रवेश कर आ रही है दतिया पुलिस द्वारा जनहित में जारी।

सीएमओ ने दबोह को कोरोना मुक्त बनाने का लिया जिम्मा

दबोह(मोहित गोस्वामी)

विश्व व्यापी महामारी कोरोना वायरस संक्रमण को देखते हुए मुख्य नगर पालिका अधिकारी एन आर खेंगर ने दबोह नगर को कोरोना मुक्त बनाने का जिम्मा लिया है।यहां बता दें कि कोरोना नामक महामारी से निपटने के लिए मुख्य नगर पालिका अधिकारी एन आर खेंगर द्वारा दबोह नगर में मुख्य मार्ग पर फायर विग्रेड से घरो व दुकानों के साथ साथ क्वारनटाइन सेंटर,यूको बैंक,उप तहसील कार्यालय,मन्दिर के साथ हर गली व वार्ड को पुनः सेनेटाइज कराया गया और लोगो से घरो में रहने को अपील की गई।यहां बता दें कि नगर परिषद दबोह के द्वारा भिण्ड कलेक्टर के आदेशानुसार नगर में कीटनाशक दवा का छिड़काव व पाउडर का भी छिड़काव कराया गया है जिससे मच्छरो व कोरोना वायरस के प्रकोप से बचा जा सके।इसी के साथ मुख्य नगर पालिका अधिकारी ने निर्देशन में सफाई दरोगा द्वारिका द्वारा नगर के मुख्य नाले नालियों की साफ सफाई भी कराई जिससे गन्दगी न पनपे और लोग बीमारी से दूर रहें।इस दौरान मुख्य नगर पालिका अधिकारी एन आर खेंगर ने बताया कि अभी मुख्य मार्ग के हर घर व दुकान को सेनेटाइज कराया गया है जिसमे से कुछ जगहे अभी रह गई हैं जल्द ही इसी तारम्भ में हम पूरे नगर को सेनेटाइज कर लेंगे और दबोह को कोरोना मुक्त बनाएंगे।कोरोना वायरस के चलते सीएमओ ने जनता से अपील की है कि वह खुद सुरक्षित रहे और दूसरों को रखें। उन्होंने कहा कि कोरोना वायरस संक्रमण को फैलने से रोकने के लिए बार-बार अपने हाथों को हैंड वाश,साबुन या पानी से अच्छी तरह साफ करें।छींकते और खांसते समय अपने मुह व नाक को टिशु या रुमाल से ढंके। बुखार, खांसी, जुखाम होने पर तुरन्त डॉक्टर से संपर्क करें।डॉक्टर से मिलने के दौरान मुंह को मास्क,रुमाल आदि से ढंके।जिनमें खांसी,जुखाम,बुखार के लक्षण हो ऐसे व्यक्तियों से कम से कम 1 मीटर की दूरी बनाकर रखें एवं बचे।घर से बाहर न निकले एवं बच्चों को भी बिल्कुल बाहर ना निकलने दे।भीड़भाड़ वाली जगह पर जाने से बचें और प्रशासन का सहयोग करें।

गर्मी को देखते हुए वाटर कूलर हुए चालू-एक तरफ कोरोना तो दूसरी तरफ़ भीषड़ गर्मी का कहर जनता को परेशान कर रहा है जिसके चलते मुख्य नगर पालिका अधिकारी एन आर खेंगर लगातार नगर को सेनेटाइजर करने का कार्य कर रहे हैं व गर्मी को देखते हुए उन्होने वाटर कूलरो को भी चालू करा दिया है तो वहीं नगर में बनी पानी की टँकीयो की साफ सफाई कर उनमे नई टोंटियां भी लगवाई जिससे लोगो को साफ व स्वच्छ पानी मिल सके और पानी की बर्बादी न हो।

फायर विग्रेड से नगर को कराया सेनेटाइज,नाले नालियों की कराई सफाई

दैनिक
पुष्पांजली टुडे

ग्वालियर शहर
ग्वालियर, गुरुवार, 30 अप्रैल 2020

शहर के 93 क्लासरूम को बनाया जायेगा स्मार्ट

स्मार्ट सिटी के द्वितीय चरण में शीघ्र होगा कार्य प्रारंभ

सुरजीत राजावत

ग्वालियर। शासकीय विद्यालयों के छात्र-छात्राओं को भी स्मार्ट क्लासरूम के माध्यम से शिक्षा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से ग्वालियर स्मार्ट सिटी द्वारा प्रथम चरण में 37 क्लासरूमों को स्मार्ट क्लासरूम के रूप में तैयार कर शिक्षा उपलब्ध कराने का कार्य सफलतापूर्वक किया जा रहा है। अब स्मार्ट क्लास के दूसरे चरण को क्रियान्वित किया जाना है। इसी उद्देश्य को लेकर आज ग्वालियर के स्मार्ट सिटी कार्यालय पर स्मार्ट सिटी सीईओ श्रीमती जयति सिंह नें जिला शिक्षा अधिकारी सहीत शासकीय स्कूलो के प्रार्चायो की बैठक ली। बैठक में स्मार्ट क्लास के संबंधित अधिकारी कर्मचारी भी उपस्थित रहे। बैठक में उपस्थित सभी लोगो को प्रजेन्टेशन के माध्यम से स्मार्ट क्लास के दूसरे फेज के बारे में विस्तृत रुप से जानकारी

दी गई। बैठक में सीईओ स्मार्ट सिटी श्रीमती सिंह नें बताया कि दूसरे चरण में स्मार्ट क्लास रुम को अत्याधुनिक आईटी उपकरणो, एडवांस्ड लर्निंग टूल्स, आदि से छात्रो को शिक्षा प्रदान करने का काम किया जायेगा। साथ ही कांटेन्ट डेवलपमेंट पर विशेष रुप से ध्यान दिया जायेगा। इसे सुनिश्चित करने हेतु श्रीमती सिंह नें सभी प्रार्चायो से कांटेन्ट को लेकर अपने सुझाव देने के लिये निर्देशित किया।सीईओ स्मार्ट सिटी श्रीमती जयति सिंह नें बताया कि छात्रो के शिक्षा स्तर का आंकलन कर तथा उसे आधार मानकर कांटेन्ट तैयार किया जायेगा जिससे शिक्षा के स्तर में सुधार होकर बेहतर परिणाम मिल सके। स्मार्ट क्लास में पढाने वाले शिक्षको का चयन करते समय उनके मनोबल तथा डिजीटल लर्निंग के प्रति उनकी रुचि तथा सहजता का भी विशेष ध्यान रखने के लिये श्रीमती सिंह नें निर्देशित किया। श्रीमती जयति सिंह नें स्मार्ट क्लास से जुडे अधिकारी कर्मचारियो को निर्देशित किया कि द्वितीय चरण में तैयार किये जाने वाले 93 स्मार्ट क्लास रुम का निरिक्षण कर इस कार्य को तुरन्त गति प्रदान की जाये।

क्षत्रिय महासभा के पदाधिकारियों और समाजसेवियों ने गरीब मजदूरों को बांटा खाना

अमित शर्मा रिपोर्टर

ग्वालियर / कुंज विहार फेस टू में समाजसेवियों और अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा के पदाधिकारियों द्वारा 25 अप्रैल से रोजाना प्रतिदिन सुबह-शाम करीब 500 गरीब मजदूरों खाना बनाकर विभिन्न स्थानों पर जैसे यादव धर्म कांटा, पिंटू पार्क टंकी, दीनदयाल नगर झुग्गी झोपड़ी एवं भिंड रोड पर रह रहे मजदूरों को खाना खिलाया जाता है वहीं दूसरी ओर ग्वालियर थाना क्षेत्र मैं बनी पिंटू पार्क चौकी पर रात दिन ड्यूटी कर रहे कर्मवीर पुलिस जवानों को रोजाना चाय पिलाकर कोरोना महामारी से निपटने में क्षत्रिय महासभा के पदाधिकारी और समाजसेवी संयोग कर रहे हैं । जिसमें मुख्य रूप से क्षत्रिय महासभा राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष श्री सुरेंद्र सिंह तोमर भिंड जिला अध्यक्ष श्री अशोक सिंह तोमर प्रदेश अध्यक्ष श्री सत्येंद्र सिंह भदोरिया (लवली),धर्मराज सिंह तोमर ,अरविंद सिंह तोमर ,विपिन सिंह तोमर(प्रदेश महामंत्री),वीरेंद्र सिसोदिया, गोपीचंद शर्मा, विद्याराम शर्मा, अशोक श्रीवास्तव ,अशोक गुप्ता, राम रच शर्मा ,हरिशंकर राठौर, रामेश्वर कौरव आदि समाजसेवी उपस्थित रहे।।

समाजसेवी एवं भारतीय जनता पार्टी महिला मोर्चा जिला महामंत्री रेशू राजावत ने आर्थिक सहयोग

आर्थिक सहयोग बना संकल्प सहयोग

हेमंत आर्य रिपोर्टर

ग्वालियर / वार्ड 19 में कुंज विहार फेस टू कॉलोनी के सभी

निवासियों ने लिया संकल्प 25 अप्रैल से 3 मई तक लॉक डाउन की स्थिति तक प्रतिदिन 300 से 500 जरूरतमंद लोगों को भोजन देंगे। इसी संकल्प के सहयोग करने के लिए समाजसेवी एवं भारतीय जनता पार्टी महिला मोर्चा जिला महामंत्री श्रीमती रेशू राजावत ने आर्थिक सहयोग कॉलोनी के अध्यक्ष श्री धर्मराज सिंह तोमर को दिया साथ ही लोगों को लोक डाउन के नियमों का पालन एवं सोशल डिस्टेंसिंग का ध्यान रखने हेतु आग्रह भी किया। इसी श्रंखला में आज भी 500 भूखे लोगों को भोजन का वितरण किया। इसमें सहयोगी के रूप में अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा के जिला उपाध्यक्ष अरविंद सिंह तोमर, जिला महामंत्री वीरेंद्र सिंह सिसोदिया, एडवोकेट गोपी चंद शर्मा, विद्याराम शर्मा, श्याम सिंह कुशवाह, रामेश्वर कौरव, अमृतलाल कौरव, पूरन सिकरवार, हरिशंकर राठौर, तहसीलदार कुशवाह, हेमराज गायकवाड, योगेंद्र भदोरिया, महावीर सिंह तोमर, राकेश सिंह राठौर, रामसेवक पाठक, महावीर सिंह तोमर, गजेंद्र सिंह भदोरिया थे।

शॉल श्रीफल फल एवं पुष्प वर्षा कर किया गया सम्मान

अमित शर्मा रिपोर्टर

अखंड प्रताप सिंह जादौन (चंबल संभाग विश्लेषक भाजपा) अनिल कुमार धाकड़ भाजपा युवा मोर्चा संगठन प्रफुल्ल कुमार दीक्षित संतोष राठौर गणेश जोशी रामवीर राठौर उदय धाकड़ गणेश दीक्षित रवि जादौन भीम दीक्षित सोनपाल राठौर असो योगी आदि युवा सहयोगी उपस्थित रहे यह सारा कार्यक्रम श्री पुष्पेंद्र सिंह जादौन के मार्गदर्शन श्री देवेंद्र प्रताप सिंह तोमर के निर्देशन में किया गया पुलिस प्रशासन का सम्मान किया गया। शॉल श्रीफल फल एवं पुष्प वर्षा कर थाना विजयपुर एवं विजयपुर थाना के अंतर्गत आने वाले सभी छह पोस्टों पर जितने भी पुलिस पदाधिकारी एवं नगर रक्षा समिति के सदस्य कोतवाल गण सभी लोगों का सम्मान किया गया।

ग्वालियर शहर में आसान किस्तों में बिना ब्याज के प्लॉट खरीदने का सुनहरा मौका।

Tomar Ta Associates

TOMAR ASSOCIATES

प्लॉट खरीदने एवं निवेश के लिए सम्पर्क करें

मूलभूत सुविधाऐं

कॉलोनी के चारों और बाउण्ड्री बॉल
मैन गेट पर सी.सी.टी.वी. कैमरा व सिक्योरिटी गार्ड
लाईट, पानी, सीवर लाईन, कम्युनिटी हॉल
बच्चों के लिये गार्डन, सड़कों पर लाईट, मन्दिर,
सुन्दर विशाल पार्क, जिम, जॉगिंग ट्रेक,
वॉस्केट बॉल मैदान, स्वीमिंग पुल,
शॉपिंग कॉम्प्लैक्स व स्कूल की सुविधा।

मात्र 25 प्रतिशत प्लॉट की कीमत जमा करवाकर प्लॉट का रजिस्टर्ड एग्रीमेंट करवायें एवं शेष धनराशि 75% बिना ब्याज के दें।
ग्वालियर शहर में अपने सपनों का घर बनायें।

T&CP APPROVE FORM-4

बुकिंग मात्र 25,000/- से

अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें 9713253992 7828039035

पोस्टर,वीडियो के द्वारा स्वयंसेवक यशी चंद्रा ने शहरवासियों को किया जागरूक

(अर्पित गुप्ता)

ग्वालियर। कोरोना वायरस संक्रमण के चलते एक ओर जहां हर स्तर से शासन प्रशासन आमजनता को जागरूक कर रहा है तो वहीं भारत की बेटियां भी किसी से कम नही है।हम बात कर रहे हैं ग्वालियर शहर के कमला राजा शासकीय कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक की जो लॉक डाउन का पालन करते हुए वैश्विक महामारी कोरोना के रोकथाम के लिए घर में पोस्टर, वीडियो,डिजिटल पोस्टर,स्लोगंस आदि को सोशल मीडिया के माध्यम से अपने मित्रों,परिवारों तथा देशवासियों को जागरूक करने का काम कर रहे हैं।वरिष्ठ स्वयंसेवक यशी चंद्रा सभी स्वयं सेविकाओं के साथ इन कार्यों में मदद कर रही है।यशी का कहना है कि हमें अपना हौसला और घोसला दोनों ही नहीं छोड़ना है तभी हम इस वैश्विक महामारी का डटकर सामना कर सकते हैं। यशी ने बताया कि आज कल लोग सोशल मीडिया पर ज्यादा एक्टिव रहते हैं और लोगो को जागरूक करने के लिए लॉकडाउन का पालन कर इससे अच्छा कोई प्लेटफॉर्म नही हो सकता है,इसलिए सोशल मीडिया के माध्यम से अधिक से अधिक लोगों को जागरूक किया जा सकता है।यशी ने अपने पोस्टर के माध्यम से डॉक्टरों को आज के युग में भगवान का अवतार बताया है तथा सभी डॉक्टर्स,मेडिकल स्टाफ,कंपाउंडर,नर्सेज आदि का धन्यवाद किया है।इस अभियान में यशी के साथ पूनम धाकड़,पूनम पाल रितिका पिनगोरिया,प्रतिभा शर्मा और आदि स्वयंसेवक अपना योगदान प्रदान कर रहे हैं।

जरूरतमंदों को राशन वितरण किया ओर नगर सैनिको को दिए स्वल्पाहार साथ साथ बच्चों को भी स्वल्पाहार दिए

अभिषेक राठौड़ सोशल रिपोर्टर

ग्वालियर। दिव्यांशी शिक्षा क्रांति समिति द्वारा लगातार 38दिन से लगातार सेवा प्रदान कर रही है जिसमें लोगों के जरूरत है वास्तविकता में भोजन की राशन की उन्हें हर संभव मदद प्रदान कर रही है इसी प्रकार आज नगर सैनिको को को स्वल्पाहार प्रदान किये, जीवों को केले व टोस्ट खिलाये एवम गुप्तेश्वर मन्दिर पानी टंकी के पास जरूरत मन्द व्यक्तियों को राशन प्रदान किया, राशन में आटा चावल दाल और तेल प्रदान किए इसमें आज सेवा के लिए लखवीर सिंह, शैलेन्द्र यादव, अर्जुन सिंह, अलपेंद्र जादौन, सत्येन्द्र राठौर, विनोद तोमर आदि सदस्य मौजूद रहे। यदि किसी को वास्तविक जरूरत है राशन की तो इस नम्बर पर संपर्क कर सकते है।

आवश्यकता है

पुष्पांजली राष्ट्रीय मासिक पत्रिका/ऑनलाइन न्यूज पोर्टल को भारत के हर राज्य, जिला एवं तहसील स्तर पर ब्यूरो चीफ, रिपोर्टर और विज्ञापन प्रतिनिधियों की आवश्यकता है।
इच्छुक एवं अनुभवी व्यक्ति संपर्क करें।

देश के सभी प्रदेशों मे, मध्य प्रदेश, राजस्थान, हरियाणा, छतीसगढ, उत्तर प्रदेश, दिल्ली, पंजाब, उड़ीसा, महाराष्ट्र, उत्तराखंड, जम्मू कश्मीर, बिहार, गुजरात, गोवा, झारखंड

कार्यालय: ए-ब्लॉक 404 भाऊ साहब की पोतनिस, इन्क्लेव मुरार रोड गोले का मंदिर ग्वालियर
संपर्क: 7999246560, 8269307478
Email-pushpanjalitoday@gmail.com. Web-www.pushpanjalitoday.com

Tomar Ta Associates

TOMAR ASSOCIATES

सोलर पेनल लगवाने पर बैंक द्वारा लोन की सुविधा।

सोलर पेनल लगाये और बिजली बिल से छुटकारा पायें।
साथ ही पर्यावरण बचायें। सौर्य ऊर्जा लगवाकर म.प्र. सरकार से सब्सीडी पायें।

Bipin Tomar (Bhidosa)
Greennub Exclusive Partner

अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें 9713253992 7828039035

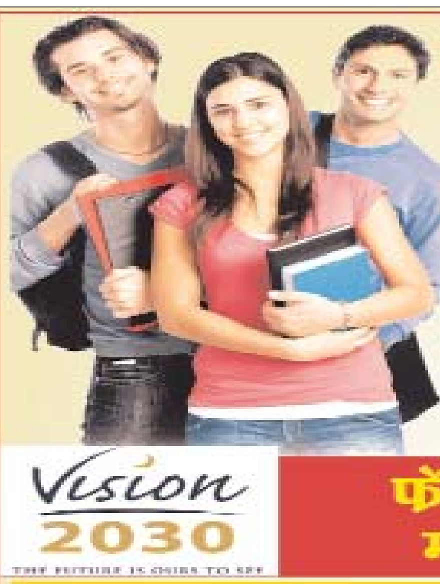

VISION 2030

अब अपनी पढाई को दो रफ्तार

*SSC/ बैंक/ रेलवे/MPPSC/UPSC/ POLICE/SI के साथ ही सभी तरह की COMPETITION CLASSES

फ्री में आप हमारा App "VISION 2030 डाउनलोड कर सकते हैं
अगर आप कोचिंग/स्कूल चलाते है तो अपनी छात्र संख्या बढ़ाने के लिये सम्पर्क कर सकते हैं

Vision 2030

फ्रेंचाइजी लेने के लिये सम्पर्क करें और हर माह 50 से 60000/- कमाना शुरु करें

HOME TUITION

Class:- 6th-12th हिन्दी मीडियम/इंग्लिश मीडियम/CBSE
MP/UP/GUJRAT/CG
BHIND/GWALIOR/DATIA/

संपर्क: ए-ब्लॉक 404 भाऊ साहब की पोतनिस मुरार रोड गोले का मंदिर ग्वालियर 9691937250

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक, एवं संपादक-भरत सिंह चौहान। पुष्पांजली प्रिंटर्स-गोवर्धन कॉलेनी, भिण्ड रोड, गोला का मंदिर, जिला ग्वालियर (म.प्र.) से मुद्रित एवं दीपू इलेक्ट्रोनिक्स, पंजीयन क्रमांक/ एम.पी.एच.आई.एन. /31130 नियर हनुमान मंदिर, गोवर्धन कॉलोनी, भिण्ड रोड, गोला का मंदिर, ग्वालियर (म.प्र.) से प्रकाशित। सम्पादक - भरत सिंह चौहान E-mail : pushpanjalitoday17@gmail.com 0751-4901333, M.: 8269307478